आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 25 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 126

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

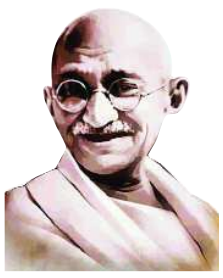

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

अग्नि सुरक्षा को लेकर फायर ड्रिल

पेज-2

'केरल स्टोरी 2' को लेकर उल्का गुप्ता चर्चा में

पेज-5

नगर निगम की मनमानी पर लगी लगाम

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- तमिलनाडु : AIADMK ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की
- कांग्रेस को पूर्व मुख्यालय 24 अकबर रोड खाली करने का फाइनल नोटिस
- इजरायल पर ईरान का बड़ा हमला, तेल अवीव समेत कई शहरों पर मिसाइल ड्रोन स्ट्राइक
- आम आदमी पार्टी विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा और उनके तीन साथी गिरफ्तार
- अमेरिका-इजरायल से जंग के बीच ईरान की पहल, पड़ोसी देशों को दिया सैन्य गठबंधन का न्योता
- मिडिल-ईस्ट जंग से ग्लोबल ऑयल रिस्क बढ़ा, फिलीपींस ने किया इमरजेंसी का ऐलान
- मिडिल-ईस्ट संकट के बीच फर्टिलाइजर पर अलर्ट भारत, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बुलाएंगे हाई-लेवल बैठक
- दिल्ली के करोल बाग में पलटी डबल डेकर बस, 2 की मौत

नियम कंपनी के, विभाग की निष्क्रियता के बीच फजीयत हुई जनता की

आज सुबह भी दिख रही भीड़

मंगलवार रात से बनी हुई है यह स्थिति

अफवाह से पेट्रोल पंपों पर मचा हाहाकार डीजल-पेट्रोल खरीदी को लेकर लगी कतारें

ग्राहक 100-200 लीटर की टंकियां लेकर पहुंचे पेट्रोल पंप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इजराइल-ईरान युद्ध के बाद से ही ईंधन संकट को लेकर लगातार अफवाह फैल रही है। मंगलवार को भी पेट्रोल-डीजल खत्म होने की अफवाह फैलने के बाद देर रात शहर के पंपों पर पेट्रोल भरवाने के लिए कतारें लग गई। यही हाल बुधवार की सुबह को भी देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों में पेट्रोल भरवाने के लिए प्रट्रोल पंप पर पहुंचे हैं।

अफवाह का असर है कि कई पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें सड़कों तक लग गई, जबकि शहर के सभी पंपों पर सुबह से सामान्य रूप से पेट्रोल-डीजल का वितरण हो रहा था। प्रशासन का कहना है कि सभी डीपों में पर्याप्त पेट्रोल-डीजल मौजूद है। लोग अफवाह पर ध्यान देकर बेवजह ईंधन संग्रहण नहीं करें।

शहर के विभिन्न इलाकों में रात भर मची अफरा-तफरी-देश के कई शहरों से शुरू हुआ पेट्रोल-डीजल खत्म होने की अफवाहों का दौर रात होते-होते इंदौर भी पहुंच गया। इसके बाद लोग अपने वाहनों में ईंधन डलवाने के लिए पंपों की तरफ दौड़े। इससे गीता भवन और अन्य पंपों पर लंबी कतारें लग गई। सड़क तक कतारें देखकर राह से गुजरने वाले वाहन चालक भी ईंधन भरवाने के लिए रुक गए। इससे कतारें सड़कों तक लग गई। अचानक भीड़ बढ़ने के बाद प्रशासन और पुलिस भी सक्रिय हुई और पंपों पर पहुंचकर लोगों को समझाइश देने लगी।

कंपनियों ने बदले नियम

ईरान-इजराइल युद्ध के बाद पेट्रोलियम कंपनियों ने नए-नए नियम लागू करना शुरू कर दिए। पेट्रोल पंप संचालकों के अनुसार नए नियमों के अनुसार अब कंपनियों को दिए गए आर्डर का एडवांस पेमेंट करना होगा। इस स्थिति के कारण अनेक पेट्रोल पंप संचालकों का रोटेशन बिगड़ गया। जिसके चलते पूरे प्रदेश के 10 से 12 प्रतिशत पेट्रोल पंप बंद हो गए. जिसके चलते यह अफवाह फैल गई कि पेट्रोल समाप्त हो रहा है। वास्तविक स्थिति यह है कि पहले पेट्रोल पंप संचालकों को ओवरड्यू की स्थिति में भी पेट्रोल की सप्लाय बराबर होती थी, किन्तु नए नियमों के अनुसार पहले एडवांस पेमेंट होगा, फिर पेट्रोल की सप्लाय होगी। जिसके चलते सप्लाय व्यवस्था की चैन बिगड़ गया। इस पूरी प्रक्रिया में जिला आपूर्ति विभाग निष्क्रिय बना रहा। अधिकारी एमएल मारू इस मामले में कंपनी और पेट्रोल संचालकों पर निर्भर रहे। अगर विभाग सही समय पर हस्तक्षेप करता तो इस तरह की आपाधापी की नौबत नहीं आती और पेट्रोल को लेकर मंगलवार रात जिस तरह का हाहाकार मचा वह नजर नहीं आता।

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर क्षेत्र और ग्रामीण इलाकों में कल पेट्रोल-डीजल को लेकर चली अफवाह ने पंपों पर उपभोक्ताओं ने दौड़ लगवा दी। शाम होते होते नगर और ग्रामीण क्षेत्र की आम जनता पंपों पर लाइन लगाकर खड़े हो गए। देखते ही देखते रात 12 बजे तक पेट्रोल और डीजल खत्म हो गया। इतना ही नहीं कहीं पेट्रोल पंप संचालको ने पेट्रोल और डीजल देने की लिमिट बनाना पड़ी, क्योंकि उपभोक्ताओं ने पेट्रोल पंपों 50 100-200 लीटर के पानी के ड्रम की लाइन लगा दी। गाड़ियों में 5 से 10 हजार रुपए का पेट्रोल-डीजल लेने की होड़ मची रही। जानकारी में पता चला कि कहीं पेट्रोल पंप का पेट्रोल और डीजल दोनों ही खत्म हो चुका था। अफवाह के दौर में सबसे ज्यादा चिंता की लकीरें किसानों के चेहरे पर देखने को मिली, जहां एक तरफ गेहूं कटाई का काम जोरों पर चल रहा है, वही दूसरी तरफ डीजल-पेट्रोल नहीं मिलने की अफवाह से किसान और घबरा गए। इस समय गेहूं कटाई को लेकर हार्वेस्टर ट्रैक्टर अन्य कृषि उपकरण का उपयोग किया जा रहा है, कहीं ना कहीं उपभोक्ताओं में घबराहट और भय का माहौल बना हुआ है।

'टीम टेलर' को लेकर बढ़ी सियासी गरमाहट

इंदौर से जयश्री पाटीदार, नयन दुबे, मनोज ठाकुर और रोहित चौधरी के नाम हो सकते हैं शामिल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • लगभग साढ़े तीन माह बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर की टीम की घोषणा हो सकती है। सूत्रों के अनुसार संगठन में उच्च स्तर के लंबे विचार-विमर्श के बाद सामाजिक और जातिगत समीकरणों को दृष्टिगत रखते हुए भाजयुमो की प्रदेश के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों की सूची तैयार हो गई है। इसकी घोषणा किसी भी समय हो सकती है। टीम में शामिल होने के लिए प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के बीच काफी मशक्कत चली। बात करें इंदौर शहर की तो यहां से भी तीन से चार नामों को प्रदेश पदाधिकारी बनाए जाने की संभावना है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपना पूरा जोर मनोज ठाकुर के लिए लगाया हुआ है। वहीं भाजपा प्रदेश महामंत्री गौरव रणदीवे ने नयन दुबे के नाम को तरजीह दी है। इसी तरह विधायक रमेश मेंदोला ने रोहित चौधरी के लिए जोर लगाया है। ऐसा बताया जा रहा है कि जयश्री पाटीदार के लिए पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन भी प्रयासरत है। इसी तरह पूर्व अध्यक्ष सौगात मिश्रा के लिए विधायक मधु वर्मा के साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव प्रयास कर रहे हैं। वैसे तो भाजपा के प्रदेश की युवा टीम इकाई में अपने समर्थकों को शामिल करने के लिए शहर के सभी नेता अपने-अपने संपर्कों का उपयोग कर रहे हैं। अब देखना यह है कि इनमें से कितने नेताओं को अपने समर्थकों को उपकृत करने का अवसर मिलता है।

कांग्रेस की बैठक में जीतू पटवारी की मौजूदगी में भारी हंगामा

भोजन को लेकर हुई धक्का-मुक्की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में मंगलवार को कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में भोजन को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। वहीं, बैठक के दौरान प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने निष्क्रिय कार्यकर्ताओं और नेताओं को बीजेपी का एजेंट बताकर नया विवाद खड़ा कर दिया।

मध्य प्रदेश कांग्रेस में अनुशासन और रणनीति को लेकर बुलाई गई एक महत्वपूर्ण बैठक हंगामे और विवाद की भेंट चढ़ गई। मंगलवार को इंदौर में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की मौजूदगी में आयोजित समीक्षा बैठक के बाद कांग्रेस कार्यालय में भोजन को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया।

यह घटनाक्रम उस वक्त हुआ जब पार्टी मालवा-निमाड़ क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर मंथन कर रही थी। लेकिन बैठक के बाद की अव्यवस्था ने पार्टी के संगठनात्मक अनुशासन पर ही सवाल खड़े कर दिए।

बैठक के दौरान कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने निष्क्रिय पड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर बेहद सख्त टिप्पणी की। उन्होंने दो टूक कहा कि जो लोग जनता के बीच नहीं जा रहे हैं और पार्टी के लिए काम नहीं कर रहे हैं, वे कांग्रेस के नहीं बल्कि बीजेपी के एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं।

ट्रैफिक पुलिस को मिला अत्याधुनिक साधन, तेज वाहनों पर लगेगी लगाम

शहर में लगेंगे हाईटेक माड्यूलर व्हीकल बैरियर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • तेज चलने वाले वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में पुलिस द्वारा मॉड्यूलर व्हीकल बैरियर को प्रारंभकिया जा रहा है। यह अत्याधुनिक बैरियर प्रणाली विशेष रूप से इस प्रकार डिज़ाइन की गई है कि इसे आवश्यकता अनुसार आसानी से स्थापित, हटाया एवं पुनः व्यवस्थित किया जा सकता है। मॉड्यूलर संरचना होने के कारण यह विभिन्न स्थानों पर लचीले रूप से उपयोग में लाई जा सकती है जिससे ट्रैफिक प्रबंधन और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित होगा। पुलिस कमिश्नर ने उक्त मॉड्यूलर व्हीकल बैरियरके शुभारंभ के अवसर पर बताया कि इस पहल

का मुख्य उद्देश्य शहर में अनियंत्रित व तेज गति से चलने वाले वाहनों पर नियंत्रण लगाना, दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह बैरियर विशेष रूप से उन क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध होगा जहाँ दुर्घटनाओं की संभावना अधिक रहती है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह, पुलिस उपायुक्त यातायात प्रभारी राजेश त्रिपाठी व यातायात प्रबंधन पुलिस के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मॉड्यूलर व्हीकल बैरियर क्या-एमबी मॉड्?यूलर व्हीकल बैरियर एक अत्याधुनिक मजबूत एवं पोर्टेबल सुरक्षा उपकरण है जिसे सड़कों पर अस्थायी या स्थायी रूप से स्थापित कर वाहनों की गति को नियंत्रित करने तथा आवश्यकतानुसार उन्हें रोकने के लिए उपयोग किया जाता है। यह बैरियर मॉड्यूलर डिजाइन पर आधारित होता है जिसे आवश्यकता अनुसार जोड़कर इसकी लंबाई बढ़ाई जा सकती है।

एक्शन जवाबदेही के नाम पर हुई कार्रवाई पर उठे सवाल

लापरवाही में नपे अफसरों को मिली अच्छी कुर्सी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश की नौकरशाही में इन दिनों एक ट्रेंड चर्चा का विषय बना हुआ है। ऊपर से सख्ती का संदेश, ताबड़तोड़ कार्रवाई और जवाबदेही की बात की जा रही है और अंदरखाने तस्वीर कुछ और ही है। सीएम मोहन यादव ने अपने सवा दो साल के कार्यकाल में जिस रफ्तार से अफसरों पर एक्शन लिया है, वह अपने आप में खास है। उन्होंने लापरवाही के मामलों में औसतन हर 46 दिन में एक आईएएस या आईपीएस अधिकारी पर कार्रवाई की है। यह आंकड़ा बताता है कि सरकार बिलकुल भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी।

सवाल यहीं से खड़ा होता है। क्या यह सख्ती दिखावे की है? क्योंकि जिन अफसरों पर लापरवाही के नाम पर कार्रवाई हुई है, उन्हीं को कुछ वक्त बाद बेहतर और प्रभावशाली पदों पर बैठा दिया गया है। यानी कार्रवाई का डंडा भी चला और इनाम की मिठाई भी मिल गई। हाल ही में गुना एसपी रहे अंकित सोनी और सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी को हटाने का फैसला इसी कड़ी का ताजा उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने इन दोनों अफसरों को हटाकर सख्त संदेश देने की कोशिश की है।

सिवनी में 50 से ज्यादा गोवंश की हत्या का मामला सामने आया, जिससे पूरे जिले में तनाव और बंद जैसे हालात बन गए। इस मामले के बाद कलेक्टर रहे क्षितिज सिंघल को हटा दिया गया। इसके बाद जो हुआ, उसने कार्रवाई की गंभीरता पर सवाल खड़े कर दिए। पहले सिंघल को मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का एमडी बनाया गया था। अब उन्हें इंदौर नगर निगम का आयुक्त बनाया गया है, जो प्रदेश की सबसे अहम शहरी पोस्टिंग मानी जाती है। शाजापुर में एक वायरल वीडियो ने पूरे प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया था। तत्कालीन कलेक्टर किशोर कान्याल एक ड्राइवर से मीटिंग में 'औकात' पूछते नजर आए थे। यह वीडियो वायरल हुआ तो कान्याल ने माफी मांगी, लेकिन सरकार ने उन्हें हटा दिया था। यह कार्रवाई ज्यादा दिन नहीं टिकी। पहले उन्हें मंत्रालय में उप सचिव बनाया गया, फिर श्योपुर कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई।

सवा दो साल में 18 अफसरों पर कार्रवाई

13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से डॉ. मोहन यादव ने प्रशासनिक सख्ती को अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाया है। सवा दो साल में 18 आईएएस-आईपीएस अफसरों पर लापरवाही के मामलों में कार्रवाई की गई है। यह आंकड़ा सरकार की कड़ाई का प्रमाण कहा जा सकता है, लेकिन 'द सूत्र' की पड़ताल में जो तस्वीर सामने आई है, वह इसके उलट कहानी कहती है। कार्रवाई के बाद अधिकतर आईएएस अफसरों को या तो जल्दी ही नई जिम्मेदारी दे दी गई है या फिर पहले से ज्यादा प्रभावशाली पद पर बैठा दिया गया है। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। जिम्मेदारी तय करते हुए इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप यादव को हटा दिया गया। यह कार्रवाई उस समय कड़ी मानी गई, लेकिन 16 दिन के भीतर ही तस्वीर बदल गई। पहले उन्हें भोपाल में उप सचिव बनाया गया और फिर मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम का एमडी बना दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में 303 करोड़ की सब्सिडी दी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सौर ऊर्जा को लेकर केंद्र शासन की महत्वपूर्ण पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अब तक योजना के तहत प्रति घरेलू उपभोक्ता 78 हजार की अधिकतम सब्सिडी के रूप में कंपनी क्षेत्र में 39 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं को कुल 303 करोड़ रूपए की सब्सिडी बैंक खातों के माध्यम से प्रदान की जा चुकी है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के हितग्राहियों को मिलाकर अब मालवा-निमाड़ में 58000 से ज्यादा स्थानों पर रूफ टॉप सोलर नेट मीटर के माध्यम से सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा है। रूफ टॉप सोलर नेट मीटर की कुल उत्पादन क्षमता 405 मैगावाट के करीब पहुंच गई हैं।

राजीव जैन महोत्सव समिति के अध्यक्ष होंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन चंद्रप्रभु जिनालय मल्हारगंज के प्रथम तल पर नवीन वेदी में विराजित होने वाली रजतमयी 24 तीर्थंकरों की

प्रतिमाओं का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 3 अप्रैल से 9 अप्रैल तक मुनिश्री विमल सागर जी एवं मुनि श्री अनंतसागर जी महाराज के सानिध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी विनय भैया (बंडा) कें निर्देशन में दलालबाग परिसर में होगा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष उद्योगपति एवं परवार समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री राजीव जैन बीड़ी वाले होंगे। जिनालय ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश जैन लारेल एवं महामंत्री राजू अलबेला ने बताया कि परवार समाज द्वारा स्थापित चंद्रप्रभु जिनालय प्रदेश का पहला ऐसा जिनालय होगा जहां रजतमयी 24 तीर्थंकरों की प्रतिमाएं विराजमान होंगी।

पुजारी पर 1 करोड़-फॉर्च्यूनर के लिए प्रताड़ना के आरोप

दूसरी पत्नी बोली-इंदौर के खजराना मंदिर के पुजारी ने शादी के 4 महीने बाद घर से निकाला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के खजराना गणेश मंदिर से जुड़े पुजारी परिवार की बहू इंदिरा भट्ट ने अपने पति पुनीत भट्ट और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायती आवेदन दिया है। इसमें दहेज प्रताड़ना, मारपीट, मानसिक उत्पीड़न और घर से निकालने की बात कही है। इंदिरा के अनुसार, उनकी शादी 17 मई 2025 को हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। यह दोनों की दूसरी शादी है। पति ने संतान की इच्छा के चलते विवाह किया था। शुरुआत में सब कुछ ठीक रहा। जुलाई 2025 के बाद ससुराल वालों का व्यवहार बदल गया।

पति समेत सास, ननद, नंदोई और देवरों ने मिलकर दहेज के लिए दबाव बनाया। मायके से 1 करोड़ रुपए और फॉर्च्यूनर कार लाने की मांग की। मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ना दी गई। अपमानित किया गया।

महिला का आरोप है कि उसे कई बार खाना नहीं दिया जाता था। घर में बंद कर दिया जाता था। उसे नौकरी करने से भी रोका गया, ताकि वह आर्थिक रूप से कमजोर बनी रहे। विरोध करने पर पति उसे अलग कमरे में ले जाकर धमकाता था। परिवार के अन्य सदस्य भी उसका उत्पीड़न करते थे। यह भी

बताया कि ससुराल वालों ने उसके जेवर और करीब 5 लाख रुपए नकद अपने पास रख लिए। जब उसने इन्हें वापस मांगा, तो उसके साथ और ज्यादा प्रताड़ित किया गया। इंदिरा ने आवेदन में बताया कि पुनीत भट्ट की कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने अपने बड़े पिता स्व. मनोहर भट्ट के तीसरे बेटे उदित को गोद लिया था। जुलाई 2025 में जब उदित की पत्नी के गर्भवती होने की जानकारी मिली, तब से पुनीत सहित पूरे ससुराल का रवैया उनके प्रति बदल गया। इंदिरा ने बताया, उनसे कहा गया कि एक करोड़ रुपए और फॉर्च्यूनर कार लाओ, तभी घर में शांति से रहने दिया जाएगा। जब उन्होंने असमर्थता जताई, तो सितंबर में घर से निकाल दिया गया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि उनकी ननद प्रतिमा नागर ने उनके लाखों रुपए के जेवर अपने पास रख लिए। इंदिरा का आरोप है कि दत्तक पुत्र उदित ने अपनी पत्नी कुमकुम के मामले में उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाकर केस दर्ज करा दिया। पुलिस भी उन्हें बेवजह परेशान करती रही। इस मामले में खजराना पुलिस उनके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर चुकी है, जिसे निरस्त कराने के लिए वह कानूनी कार्रवाई कर रही हैं।

मायके में रह रही, बदनाम करने की धमकी मिली

महिला ने बताया कि वह मायके में रहने को मजबूर है। ससुराल पक्ष उसे झूठे मामलों में फंसाने और बदनाम करने की धमकी दे रहा है। साथ ही, अपने प्रभाव का हवाला देकर पुलिस कार्रवाई रुकवाने की बात भी कही जा रही है। महिला ने दहेज प्रताड़ना, मारपीट और धमकी समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बताया कि इंदिरा का आवेदन मिला है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सेवा से समाप्त होने के बाद भी ड्यूटी पर 'सक्रिय' वाजपेई

इंदौर निगम कमिश्नर के आदेश की उड़ा रहा धज्जियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर निगम में अनुशासन और आदेशों की पालना पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल द्वारा जिसे सेवा से समाप्त किए जाने के बावजूद कर्मचारी अतुल वाजपेई दफ्तर में बैठकर काम निपटा रहा है। ये बेखौफ है, इसलिए कमिश्नर के आदेश की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहा है। दरअसल, कमिश्नर ने विधानसभा में गलत जानकारी देने के मामले में अतुल वाजपेई की सेवा समाप्त कर दी थी। इसके बाद भी वह बेखौफ तरीके से स्थापना शाखा में अपनी सीट पर बैठकर काम निपटाता नजर आया। सामने आई तस्वीर में साफ दिखाई दे रहा है कि आदेश के बाद भी कार्रवाई का कोई असर उस पर नहीं पड़ा है।

यह स्थिति कई गंभीर सवाल खड़े करती है-क्या निगम के आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। क्या एक सेवा से समाप्त हो चुके कर्मचारी को सिस्टम का कोई डर नहीं रहा। निगम के भीतर इस घटना को लेकर चर्चाएं तेज हैं और इसे 'प्रशासनिक सख्ती की परीक्षा' के

रूप में देखा जा रहा है। अगर सस्पेंशन के बाद भी कर्मचारी खुलेआम काम करता रहे, तो यह व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सीधा सवाल है। अब देखना होगा कि इस पूरे मामले में निगम प्रशासन क्या कड़ा कदम उठाता है और क्या आदेशों की वास्तविक पालना सुनिश्चित हो पाती है या नहीं।

रेलवे की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का आंदोलन, 26 मार्च को सौंपा जाएगा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला कांग्रेस सेवादल द्वारा रेलवे टिकट रद्दीकरण (कैंसिलेशन) नियमों में किए गए जनविरोधी बदलावों के विरोध में अब आंदोलन तेज किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 26 मार्च 2026 को कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा रेल मंत्री के नाम ज्ञापन स्टेशन अधीक्षक को सौंपा जाएगा। यह कार्यक्रम जिला कांग्रेस सेवादल कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश जोशी एवं इंदौर शहर कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए रेलवे रद्दीकरण नियम पूरी तरह से आम जनता के खिलाफ हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में लागू व्यवस्था के तहत यात्रियों को पर्याप्त राहत मिलती थी— 48 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर न्यूनतम शुल्क (60-240) ही काटा जाता था। 48 से 12 घंटे के बीच लगभग 75% तक राशि वापस मिल जाती थी। 12 से 4 घंटे के बीच भी लगभग 50% तक रिफंड दिया जाता था।

प्रतिभा सम्मान समारोह में 111 विद्वान, विदुषी और प्रतिभाशाली विभूतियां हुई सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 22 मार्च (रविवार) दोपहर 1 बजे से जीपीओ चौराहा स्थित महादेवी पुस्तकालय हॉल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पंडित योगेंद्र महंत जी के परम पुनीत सानिध्य में 111 विलक्षण प्रतिभाएं इंदौर रत्न अलंकरण सम्मान 2026 से सम्मानित की गई। कवि, कला और कलाकार कल्याण कोष के जितेंद्र शिवहरे ने बताया कि शहर और आसपास के जिलों की लगभग 111 से विद्वान, विदुषी और प्रतिभाशाली विभूतियां महंत जी के करकमलों से सम्मानित की गई। सम्मानित अवसर के फोटो और वीडियो निःशुल्क दिए बनाए गए। जो सम्मिलित सभी प्रतिभाओं को निशुल्क दिए जायेंगे। आरंभ में म्यूजिकल प्रोग्राम रखा गया। जिसका संचालन डॉ. मनीष सोनी जी के द्वारा किया गया। डॉ. किशोर राठौड़, अनिल सोलंकी, सुनील कुमार वर्मा मुसाफिर, दूर्वा शर्मा, रवि शर्मा, सूर्यकांत विश्वकर्मा जी राऊ, वीरेंद्र सिंह राजावत राऊ, श्रीकांत अन्वेकर जी आदि गायकों ने गीत प्रस्तुति दी। आयोजन समिति द्वारा कर्णावत भोजनालय पर भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। संचालन सुनील कुमार वर्मा मुसाफिर, जितेंद्र राज, मनोहरलाल सोनी बाबा, माजीदा खान ने किया। दिनेश शर्मा, एल एन पुरोहित ने आयोजन समिति का परिचय दिया। राजू गजभिए 'सीताराम', विनोद विन्नम, सुनील चौहान, राहुल मिश्रा इलाहाबादी, जितेंद्र यादव, अमरदीप पाटोदे आदि ने कार्यक्रम की व्यवस्था सुचारू रूप से संभाली। आभार प्रदर्शन जितेंद्र शिवहरे ने किया।

मेड़तवाल समाज इंदौर की अनूठी पहल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मेड़तवाल समाज बेटियों, बहुओं और मातृशक्ति ने एक साथ दी केरला स्टोरी 2 फिल्म देखी। मेड़तवाल समाज निरंतरता से अपनी नवाचारी नवचेतना के साथ बेटियों और मातृशक्ति को जागरुक करता रहा है। समाज अध्यक्ष और आयोजन के सूत्रधार शक्तिनाथ गुप्ता ने बताया कि आर.एस. एस. के इंदौर विभाग सेवा प्रमुख विकास मेडतवाल और समाज की शिक्षा समिति कि संयोजक प्रदीप गुप्ता, प्राचार्या प्रीति गुप्ता के साथ महिलाओं के सशक्तिकरण के मिशन के तहत हमने अपनी महिला विंग से विचार विमर्श कर सामूहिक रूप से सच्ची घटनाओं पर आधारित दी केरला स्टोरी 2 सभी युवा बेटियों और मातृशक्ति को दिखना तय किया। इसे मूर्त रूप देने के लिए समाज की मातृशक्ति और युवाओं की टीम गठित की गई जिसके माध्यम से प्रतिदिन की गतिविधियों का क्रियान्वयन और समन्वय किया गया समाज इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों में फैला हुआ है अत: इंदौर को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित करके महिलाओं की टीम को सूचना देने और एकत्रीकरण की क्षेत्र वार जिम्मेदारी दी गई।

प्रांतीय आव्हान पर शिक्षक कांग्रेस द्वारा टीईटी आदेश के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● म.प्र.शिक्षक कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष नवनीत चतुर्वेदी, कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष आलोक परमार, प्रमुख महामंत्री किशन रजक एवं प्रांतीय महामंत्री अनिल नामदेव द्वारा संयुक्त रूप से प्रांतीय आव्हान कर जिला स्तर पर के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के निर्देश पर आज इंदौर इकाई द्वारा टीईटी कि शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में जिलाधीश महोदय को मुख्यमंत्री महोदय के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन में (टीईटी) को लेकर मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस ने सरकार से शिक्षकों के हित में सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने और 2 लाख शिक्षकों एवं उनके परिवार का भविष्य देखते हुए सरकार को अन्य प्रांतो की सरकारों की तरह अतिशीघ्र पुनर्विचार याचिका दायर करना चाहिए। जो शिक्षक 25-30 वर्षों से अध्यापन कार्य कर रहे हैं अब उनकी योग्यता पर संशय कैसा। मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से आज ज्ञापन के माध्यम से शिक्षक हित में 1- टीईटी से संबंधित हालिया जारी आदेशों को तत्काल स्थगित करने।

अग्नि सुरक्षा को लेकर फायर ड्रिल

कोचिंग संस्थानों में अग्नि सुरक्षा को लेकर 300 से अधिक छात्र-स्टाफ ने लिया प्रशिक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा एवं आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं नगर निगम के अग्निशमन विभाग द्वारा शहर में अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता एवं आपातकालीन तैयारी को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जोन क्रमांक 13, वार्ड 74 अंतर्गत स्थित कोचिंग संस्थान फिजिक्सवाला विद्यापीठ एवं स्कॉलर्स अकैडमी में फायर ड्रिल (अग्निशमन पूर्वाभ्यास) का सफल आयोजन किया गया।

इस दौरान कोचिंग संस्थानों के स्टाफ एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में आग लगने की संभावित आपात स्थिति से सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। नगर निगम अग्निशमन विभाग की टीम द्वारा छात्रों एवं स्टाफ को आपदा के समय घबराने के बजाय सतर्कता एवं सूझबूझ से

कार्य करने की सलाह दी गई। फायर ड्रिल के दौरान प्रतिभागियों को भवन से सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने (इवैक्यूएशन), अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग, आग पर प्रारंभिक नियंत्रण के उपायों तथा आपातकालीन स्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न अग्निशमन उपकरणों का प्रदर्शन कर उनके उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 300 छात्र एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने सक्रिय सहभागिता करते हुए सुरक्षा उपायों को समझा और अभ्यास किया। नगर निगम की ओर से इस अवसर पर भवन निरीक्षक श्री पीयूष गुप्ता एवं उपनिरीक्षक श्री संतोष दुबे अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे तथा पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

विश्वक्षय दिवस पर टीवी मरीजों को अनाज वितरण किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 24 मार्च 2026 विश्व क्षय दिवसके अंतर्गत आज जिला क्षय उन्मूलन केंद्र मल्हारगंज पर निश्चय मित्र योजना के अंतर्गत क्षय पीड़ित सहायक संघ के अध्यक्ष एच एल जैन सचिव जयप्रकाश महेश्वरी डॉक्टर विजय छजलानी, डॉक्टर जी डी नागर, डॉक्टर शरद दोषी द्वारा गरीब टीवी मरीजों को अनाज वितरण कर मनाया गया मध्य प्रदेश शासन द्वारा विश्वक्षय दिवस के उपलक्ष में 100 दिवसीय टीवी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ भी किया गया इंदौर जिले में आज से इस अभियान का शुभारंभ जिला चिकित्सालय परिसर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर माधव प्रसाद हसानी सिविल सर्जन डॉक्टर एस के वर्मा जिला क्षय अधिकारी डॉक्टर शैलेंद्र कुमार जैन एवं जिला चिकित्सालय के अनेक चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति में किया गया शुभारंभ अवसर पर जिला चिकित्सालय परिसर में निश्चय शिविर कैंप का आयोजन भी किया गया जिसमें उपस्थित सभी व्यक्तियों की टीवी स्क्रीनिंग एक्सरे के माध्यम से की गई एवं संभावित मरीजों के बलगम की जांच डायबिटीज व अन्य जांच निशुल्क की गई जिला क्षय अधिकारी डॉक्टर शैलेंद्र कुमार जैन द्वारा उपस्थित जन समुदाय को विश्व क्षय दिवस के बारे में विस्तार से बताया गया।

समाधान योजनाः मालवा निमाड़ के उपभोक्ताओं को दी 35.20 करोड़ की रियायत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तीन माह से अधिक के बकाया बिलों के लिए 31 मार्च तक लागू समाधान योजना का लाभ लेने की अपील की है। मप्र शासन ऊर्जा विभाग की इस महत्वपूर्ण योजना अंतर्गत पुराने बकाया बिलों के एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज राशि पर 70 से 90 प्रतिशत तक एवं किश्तों में बिल भुगतान का विकल्प चुनने पर 50 से 60 प्रतिशत तक सरचार्ज की छूट दी जा रही है। पश्चिम क्षेत्र कंपनी क्षेत्र यानि मालवा निमाड़ के सभी जिलों में अब तक 8.36 लाख उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेकर छूट प्राप्त की है। इन उपभोक्ताओं को करीब 35 करोड़ 20 लाख रूपए की छूट प्रदान की गई है। वहीं योजना अंतर्गत बिजली कंपनी को 250 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। समाधान योजना में सबसे ज्यादा इंदौर जिले के करीब 95 हजार उपभोक्ता लाभान्वित हुए है। दूसरे क्रम पर खरगोन जिले के 88400 उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। उज्जैन जिले के 87200, रतलाम जिले के 75700, धार जिले के 69000, मंदसौर जिले के 60100 उपभोक्ताओं ने बकाया राशि जमा कर सरचार्ज पर भारी छूट का लाभ प्राप्त किया हैं।

जनसुनवाई में दिखी संवेदनशील प्रशासन की तस्वीर इलाज के लिए मिली मदद और दिव्यांग को ट्रायसिकल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा की जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कलेक्टर ने आमजन से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना। कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि अन्य प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को समयसीमा में कार्रवाई के निर्देश दिए।

त्वरित राहत और सहायता - जनसुनवाई के दौरान कई ऐसे प्रकरण सामने आए, जिनमें तुरंत सहायता प्रदान की गई। एक मामले में आरती नामक महिला अपने पति के इलाज के लिए मदद मांगने पहुंचीं। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने तत्काल आर्थिक सहायता स्वीकृत कर इलाज की प्रक्रिया शुरू कराई।

दिव्यांग को मिली नई रफ्तार-एक अन्य प्रकरण में आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्ग दंपति सहायता के लिए पहुंचे। कलेक्टर ने तत्काल निर्णय लेते हुए सहायता राशि स्वीकृत की और दिव्यांग भीमसिंह को इलेक्ट्रिक ट्रायसिकल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इससे उन्हें आजीविका का साधन मिलने के साथ जीवन में नई उम्मीद जगी। परिजनों ने इस मदद के लिए प्रशासन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। दुर्घटना में घायल रामकिशोर ने भी समस्या रखी। कलेक्टर ने उनका ऑपरेशन मुफ्त कराने के निर्देश दिए।

विभिन्न मामलों में भी सुनवाई- जनसुनवाई में प्लॉट, संपत्ति विवाद, पारिवारिक मामलों, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े कई आवेदन प्राप्त हुए। सभी मामलों में पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

विश्व ब्राह्मण समाज संघ इस बार भी करवाएगा 21 जोड़ों की 'घर जैसी शादी'

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पिछले दो वर्षों में 'घर जैसी शादी' की ख्याति के साथ विश्व ब्राह्मण समाज संघ द्वारा आयोजित 21 जोड़ों के सामूहिक विवाह का आयोजन इस बार भी 23 अप्रैल को अभिजीत मुहूर्त में एयरपोर्ट रोड स्थित बाबाश्री रिसोर्ट पर आयोजित होगा। इस आयोजन में खजराना गणेश मंदिर, रणजीत हनुमान मंदिर सहित शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों के पुजारी, श्रद्धालु, विद्वान और विप्र बंधुओं के साथ अग्रवाल-वैश्य समाजों के लोग मिलकर विवाह की व्यवस्थाओं में भागीदार बनेंगे। इस सामूहिक विवाह में शामिल सभी युगलों को गृहस्थी योग्य आकर्षक उपहार भी दिए जाएंगे। महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से प्रारंभ हो चुकी हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महंत, प्रमुख सयोजक राजेश बंसल ने बताया कि सामूहिक विवाह का यह तीसरा वर्ष है। सम्मेलन के लिए आयोजित बैठक म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत परिषद के अध्यक्ष आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक, रणजीत हनुमान मंदिर के प्रमुख पुजारी पं. दीपेश व्यास, खजराना गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी पं. अशोक भट्ट एवं स्वागताध्यक्ष जगदीश बाबाश्री और संयोजक संदीप गोयल ऑटो के आतिथ्य एवं मौजूदगी में सम्पन्न हुई जिसमें सामूहिक विवाह के लिए निर्धारित आवेदन पत्र का लोकार्पण भी किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सामूहिक विवाह में शामिल दुल्हों को सूट एवं दुल्हन को चुन्नी सूट भी आयोजन समिति की ओर से पहले ही उपलब्ध कराए जाएँगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 25 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

पुष्पा पिसोलकर पारमार्थिक फाउंडेशन की ओर से निशुल्क शिक्षा केंद्र का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बंगाली चौराहा के पास स्थित चौहान नगर कॉलोनी में पुष्पा पिसोलकर पारमार्थिक फाउंडेशन की ओर से निशुल्क शैक्षणिक संस्था का शुभारम्भ विहिप इंदौर विभाग की सहसंयोजक श्रीमती ज्योति प्रतीक श्रीवास्तव ने किया। संस्था के प्रमुख आर के काबरा, अंजना गौरानी एवं अन्य पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि श्रीमती श्रीवास्तव के साथ राम दरबार के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर श्रीमती श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चों को सनातन धर्म की शिक्षा और हमारी संस्कृति से रूबरू कराने का यह निष्काम व्रत अनुकरणीय और वन्दनीय है। बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने से बड़ा और कोई दान नहीं हो सकता। हमारे बच्चे राम-सीता, लक्ष्मण और हनुमान जैसे चरित्रवान और ऊर्जावान बनें, यही हमारा प्रयास होना चाहिए।

आज इंटर्नशिप विथ मेयर कार्यक्रम में शामिल होंगे 125 से अधिक प्रतिभावान छात्र-छात्राएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंटर्नशिप विथ मेयर जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम की श्रृंखला में बुधवार को मेडिकल कॉलेज के सामने स्थित एआईसीटीएसएल सभागृह में महापौर पुष्यमित्र भार्गव के मार्गदर्शन में ग्लोबल इंडियन आर्गेनाईजेशन (जीआईओ) के इंदौर चैप्टर के सहयोग से करीब 125 प्रतिभावान छात्रों को विश्व स्तरीय विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। जीआईओ के रीजनल प्रेसीडेंट युवराज वरदराज मंडलोई ने बताया कि जीआईओ इंटरनेशनल के मीडिया एवं कम्युनिकेशन हेड वीरांगानायुलु शिवारात्रि इस सत्र में चुनिन्दा छात्रों को ग्लोबल एक्स्पोजर, औद्योगिक क्षेत्र की वास्तविकता, करियर संबंधी प्रैक्टिकल स्किल्स और अंतर्राष्ट्रीय लर्निंग एक्सपीरियंस से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन करेंगे।

गीता भवन पर राम नवमी के उपलक्ष्य में यज्ञ हवन, राम दरबार का विशेष श्रृंगार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मनोरमागंज स्थित गीता भवन पर चैत्र नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत गत 19 मार्च से चल रहे श्री दुर्गा सप्तशती पाठ और नवान्ह पारायण की पूर्णाहुति यज्ञ हवन के साथ 27 मार्च को श्री रामनवमी उत्सव के दौरान होगी। गीता भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री रामविलास राठी और मनोहर बाहेती ने बताया कि राम नवमी पर दोपहर ठीक 12 बजे श्रीराम जन्मोत्सव की भव्य आरती होगी। इस दौरान राम दरबार का विशेष नयनाभिराम श्रृंगार किया जाएगा। श्रृंगार दर्शन एवं आरती में शामिल होने वाले भक्तों के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं।

तहसीलदार कार्यालय ने डेली कॉलेज को राजस्व जमा कराने के लिए भेजा अंतिम नोटिस, पहले नोटिस का भी नहीं मिला था जवाब

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डेली कॉलेज शिक्षण संस्थान बकाया राजस्व वसूली को लेकर परेशान है। नगर निगम कहता है कि उसकी दी हुई लीज की जमीन है, इधर, कलेक्टर कार्यालय बकाया राजस्व जमा कराने के लिए लगातार नोटिस जारी कर रहा है। डेली कॉलेज प्रबंधन को समझ नहीं आ रहा कि वह टैक्स कहां जमा कराए। प्रबंधन ने इस मामले में हाईकोर्ट की शरण भी ली है। तहसीलदार जूनी इंदौर ने डेली कॉलेज प्रबंधन को बकाया जमा कराने के लिए कई नोटिस भेजे। 23 मार्च 2026 को तहसीलदार ने कॉलेज को दो अंतिम मांग सूचना पत्र जारी किया है। इसमें लिखा गया है कि अनुविभागीय अधिकारी जूनी इंदौर के प्रकरण क्रमांक 0387/अ-2/2024-25 में पारित आदेश 18 मार्च के आधार पर

भूराजस्व का निर्धारण किया गया है। ग्राम मूसाखेड़ी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1 कुल रकबा 334870 वर्गफीट पर कुल बकाया भू राजस्व राशि 15,069, 150 रुपए जमा करवाये जाने हेतु आपको मांग सूचना पत्र प्रेषित किया गया था, जिसके जवाब में कोई राशि नहीं जमा कराई गई है। अंतिम सूचना पत्र में तीन दिन में राशि जमा कराने का समय दिया गया है।

दूसरे नोटिस में ग्राम चितावद की जमीन का उल्लेख करते हुए 13,35,510 रुपए जमा कराने को कहा गया है। इस नोटिस में लिखा है कि अनुविभागीय अधिकारी जूनी इंदौर के प्रकरण क्रमांक 0390/अ-2/2024-25 में पारित आदेश 18 मार्च के आधार पर भूराजस्व का निर्धारण किया गया है। इसके अनुसार ग्राम चितावद स्थित भूमि खसरा क्रमांक 314 कुल रकबा 29670 वर्गफीट पर कुल बकाया भू राजस्व राशि 13,35,510 रुपए जमा करवाने के लिए मांग सूचना पत्र प्रेषित किया गया था, लेकिन अब तक राशि जमा नहीं हुई। इस नोटिस में भी तीन दिन में राशि जमा कराने को कहा गया है।

पता तो चले कि किसे देनी है राशि-लुल्ला

इस मामले में डेली कॉलेज बोर्ड के सदस्य धीरज लुल्ला का कहना है कि नगर निगम बोलता है कि हमारी जमीन है। इतने सालों से लीज भी ले रहा है। लीज का एग्रीमेंट भी है। कुछ समय पहले लोअर कोर्ट ने नगर निगम के पक्ष में डिक्री कर दी थी। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में सालों से मामला चल रहा है। इसी बीच जिला प्रशासन कहता है कि यह जमीन हमारी है। लुल्ला ने कहा कि इस मामले में भी कॉलेज प्रबंधन ने हाईकोर्ट में केस लगा दिया है। हमें राजस्व देने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन पता तो चले कि किसे देना है। कोर्ट जैसा कहेगा, वैसा हम करेंगे।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 2 के तीन मंडलों का प्रशिक्षण वर्ग आज से

अलग-अलग सत्रों में नेता देंगे मार्गदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा एवं महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पिपले ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 2 के तीन मंडलों में प्रशिक्षण वर्ग आज 25 मार्च से प्रारंभ होंगे। नेताओं ने बताया कि डॉ भीमराव अम्बेडकर मंडल का प्रशिक्षण वर्ग निर्वाणा होटल, एमआर 10 के पास सुबह से प्रारंभ होगा। उद्घाटन सत्र में राजीव खण्डेलवाल प्रदेश सरकार की योजनाओं विषय पर, द्वितीय सत्र में वैचारिक अधिष्ठान विषय पर डॉ निशांत खरे, तृतीया सत्र में बाबुसिंह रघुवंशी कार्य पद्धति पर, चतुर्थ सत्र में संतोष मेहता भाजपा का इतिहास, पंचम सत्र में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय कार्य विस्तार विषय पर, छठवें सत्र में सोशल मीडिया, एआई विषय पर जितेंद्र सुराना, सप्तम सत्र केंद्र सरकार की योजना विषय पर प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे मार्गदर्शक देने। 26 मार्च को समापन सत्र में नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा मार्गदर्शन देंगे। राजमाता जीजाबाई मंडल का प्रशिक्षण वर्ग भी निर्वाणा होटल एमआर-10 के पास सुबह प्रारंभ होगा। उद्घाटन सत्र में डॉ निशांत खरे वैचारिक अधिष्ठान विषय पर, द्वितीय सत्र में बाबुसिंह रघुवंशी कार्य पद्धति विषय पर, तृतीय सत्र में राजीव खण्डेलवाल प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर, चतुर्थ सत्र में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय कार्य विस्तार पर, पंचम सत्र में संतोष मेहता भाजपा का इतिहास पर, छटवें सत्र में नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा बूथ प्रबंधन व मन की बात विषय पर, सोशल मीडिया, एआई संगठन अप्प पर जितेंद्र सुराना मार्गदर्शन देंगे।

चैत्र नवरात्रि महोत्सव-महाष्टमी एवं महानवमी पर समर्पित होंगी विशेष आहुतियाँ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर चैत्र नवरात्रि महोत्सव में चल रहे सग्रहमख शतचंडी महायज्ञ में महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में ललिता सहस्त्रार्चन से 21 विद्वानों द्वारा विश्व शांति एवं जन कल्याण की कामना से विशेष आहुतियां समर्पित की जा रही हैं। महायज्ञ में अब तक डेढ़ लाख से अधिक आहुतियां संपन्न हो चुकी हैं। मंगलवार को 21 यजमान युगलों ने मां को प्रिय व्यंजनों की आहुतियां समर्पित की। शतचंडी महायज्ञ प्रतिदिन सुबह से दोपहर तक चल रहा है। महायज्ञ में 26 मार्च को महाष्टमी एवं 27 मार्च को महानवमी पर दुर्गा सप्तशती पाठ द्वारा विशेष आहुतियाँ समर्पित कर सौभाग्यवती एवं कन्या पूजन के अनुष्ठान भी होंगे।

आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेन्द्र महाजन ने बताया कि महायज्ञ की पूर्णाहुति राम नवमी 27 मार्च को प्रातः 9 बजे से श्रीराम यज्ञ के शुभारंभ के साथ होगी। दोपहर 12 बजे भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा, जबकि सग्रहमख शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति अपरान्ह 3 बजे होगी। इसके पूर्व महाष्टमी पर 26 मार्च को महायज्ञ में दुर्गा सप्तशती पाठ द्वारा विशेष आहुतियां समर्पित की जाएंगी तथा सौभाग्यवती एवं कन्या पूजन के अनुष्ठान भी होंगे। महानवमी पर भी विशेष आहुतियाँ दी जाएंगी। आश्रम पर चल रहे चैत्र नवरात्रि महोत्सव में प्रतिदिन भगवती का नित्य नूतन श्रृंगार भी किया जा रहा है।

परमात्मा के प्रति अटूट श्रद्धा विश्वास जरूरी : आचार्य शैलेंद्र तिवारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● परमात्मा के प्रति अटूट श्रद्धा विश्वास जरूरी है,जो राम की भक्ति करता है उसके सारे संकट दूर हो जाते है,कथा सुनने मात्र से ही कल्याण होता है, सदगुरु की शरण में ही परम सुख की प्राप्ति होती है,सद्गुरु की शरणागति बहुत जरूरी है,गुरु वंदना हमेशा करना चाहिए,जीवन में समर्पण का भाव जरूर होना चाहिए,गुरु अपने शिष्यों को सही मार्ग पर ले जाते है, जीवन में राम नाम का जाप करने मात्र से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं,जिस पर गुरु की कृपा हो जाती है उसका जीवन सफल हो जाता है, जीवन में ईश्वर का चिंतन जरूर करना चाहिए, हर मनुष्य को असत्य कभी नहीं बोलना चाहिए, जीवन में सत्य बोलो सत्य के मार्ग पर चलो, मनुष्य को कभी भी अहंकार घमंड बिलकुल नहीं करना चाहिए,संतो की सेवा से बड़ी कोई सेवा नही होती है इसलिए हमेशा संतो की सेवा करना चाहिए। यह बाते मंगलवार को आचार्य पं. शैलेंद्र तिवारी ने हुजूरगंज स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर पर आयोजित नौ दिवसीय श्री राम कथा के पहले दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में सत्कर्म जरूर करना चाहिए। आयोजन प्रमुख सुमित अवस्थी ने बताया कि नौ दिवसीय श्री राम कथा की शुरूआत मंगलवार को आचार्य पंडितों की उपस्थिति में वेद मंत्रों के बीच व्यासपीठ पर पूजन अर्चन के साथ हुई,आचार्य पं. शैलेंद्र तिवारी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया, कथा सुनने सैकड़ों की संख्या में भक्तगण मौजूद थे, वेद मंत्रों के बीच व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। मंगलवार से शुरू हुई श्री राम कथा 1 अप्रैल तक प्रतिदिन चलेगी।

रंगोली, आतिशबाजी, पुष्प वर्षा के बीच साईं भक्तों ने की पालकी-प्रभातफेरी की अगवानी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इमली बाजार, रामबाग, कमाठीपुरा, भोई मोहल्ला और आसपास का समूचा क्षेत्र मंगलवार की सुबह साईं बाबा की भक्ति के रंग में झूम उठा। घर-घर बाबा की पालकी की अगवानी के लिए न केवल दीप जले बल्कि रंगोली और पुष्प वर्षा एवं तोरण द्वारों से सजे घरों के सामने आतिशबाजी, आरती और पूजन के दृश्य भी देखने को मिले। इन क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से रतजगा चल रहा था। केन्द्रीय साईं सेवा समिति की मेजबानी में जैसे ही पालकी साईं भक्त प्रदीप यादव और विनय यादव के निवास पर पहुंची, भक्तों का उत्साह पूरे शबाब पर पहुँच गया और भजनों पर नाचते-गाते हुए उन्होंने बाबा की पालकी की अगवानी की। बाबा के जयघोष से पूरे समय समूचा क्षेत्र गुंजायमान बना रहा। इस एतिहासिक पालकी यात्रा और प्रभात फेरी को देखकर राह चलते श्रद्धालु भी शामिल होते गए। घोड़ों पर सवार युवा भगवा ध्वज थामे शौर्य का प्रतीक बनकर चल रहे थे। जगह-जगह स्वल्पाहार, शीतल पेय और आइसक्रीम का वितरण भी हुआ। केन्द्रीय साईं सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम पाठक, प्रदीप यादव, विनय यादव एवं समीर जोशी ने बताया कि गत 2 मार्च से चल रही साईं पालकी यात्रा और प्रभात फेरी का आज रामबाग क्षेत्र में समापन हुआ।

दशहरा मैदान के अवध लोक में राष्ट्रभक्ति, रामभक्ति एवं संस्कृति से प्रेरित प्रस्तुतियों ने किया हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दशहरा मैदान स्थित 'अवध लोक' पर चल रहे सबके राम महोत्सव में राष्ट्रभक्ति, रामभक्ति एवं संस्कृति का अनूठा समन्वय देखने को मिला जब वन्दे मातरम के शताब्दी वर्ष और शहीद दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों ने संघ गीत और देशभक्ति से प्रेरित 'मेरा रंग दे बसंती चोला....' गीत सहित अपनी प्रस्तुतियों से हजारों दर्शकों को भाव विभोर बनाए रखा। स्वर संगम के प्रतिभावान बच्चों ने राम संकीर्तन एवं देशभक्ति से लबरेज गीतों से सबका मन मोह लिया। मेले में दिनोंदिन दर्शकों की संख्या बढती जा रही है। शाम होते ही मेले में लगे स्टाल्स पर ग्राहकों के हुजूम उमड़ने लगते हैं। पूर्वोत्तर भारत के राज्यों से आए कलाकार और महिला उद्यमियों के उत्पाद काफी पसंद किए जा रहे हैं। वृन्दावन के प्रेम मंदिर की प्रतिकृति में स्थापित राम दरबार की पूजा-अर्चना एवं आरती के लिए महामंडलेश्वर राधे राधे बाबा, महामंडलेश्वर पवनदास महाराज, राज्य के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं विभिन्न ब्राह्मण संगठनों के पदाधिकारियों ने भी शामिल होकर प्रदेश में सुख, शांति एवं सद्भाव के लिए प्रार्थना की।

छत्रीबाग जनसेवा समिति से जुड़े 50 भक्तों का समूह 20 दिवसीय धार्मिक यात्रा पर प्रस्थित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● छत्रीबाग जनसेवा समिति से जुड़े 50 भक्तों का एक समूह मंगलवार को अयोध्या, काठमांडू (नेपाल), गंगा सागर एवं जगन्नाथपुरी की 20 दिवसीय धार्मिक यात्रा पर मालवा मिल, न्यू देवास रोड स्थित जिनिंग फैक्ट्री के सामने से बस द्वारा प्रस्थित हुआ। साईं भक्त और अखंड धाम संत सम्मेलन समिति के अध्यक्ष हरि अग्रवाल एवं अशोक गोयल ने यात्रियों को छत्रीबाग जनसेवा समिति के अध्यक्ष रमेश मोटवानी, अनंत सोनवने, मनोज तारे, सुरेन्द्र सिंह तोमर, पवन राठौर एवं महेंद्र सिंह गौड़ के साथ हरी झंडी दिखाकर बिदा किया। 20 दिवसीय इस यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालु विभिन्न तीर्थ स्थलों पर देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर को निरंतर स्वच्छता में अग्रणी बने रहने में जन सहयोग का सन्देश भी देंगे और परिवार, समाज एवं राष्ट्र में सुख, शांति और

सद्भावना के लिए प्रार्थना भी करेंगे। इसके पूर्व भी अयोध्या में रामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समय भी छत्रीबाग जनसेवा समिति से जुड़े भक्तों ने वहां अन्न क्षेत्र में सेवा एवं सफाई का सन्देश दिया था। सभी यात्री 13 अप्रैल को इंदौर लौट आएंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

धर्म बदला तो अधिकार भी बदले, सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने खत्म की सबसे बड़ी 'आरक्षण दुविधा'

धर्म परिवर्तन करने वालों की जातिगत स्थिति से जुड़े सवाल केवल अदालतों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इस मसले को राजनीतिक नफा-नुकसान के चश्मे से भी देखा जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षित वर्ग और धर्मांतरण से जुड़े मसले पर मंगलवार को स्पष्ट एवं महत्त्वपूर्ण फैसला सुनाया है। इसके मुताबिक, हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म छोड़कर कोई दूसरा धर्म अपनाने वाला अनुसूचित जाति मूल का व्यक्ति या परिवार संरक्षण, आरक्षण या अन्य वैधानिक लाभ का पात्र होने का दावा नहीं कर सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार धर्म परिवर्तन के साथ ही उसका अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाता है। शीर्ष अदालत के इस फैसले को लंबे समय से चल रही उस बहस पर निर्णायक माना जा रहा है, जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भले ही किसी व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया हो, लेकिन उसकी मूल सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर उसे आरक्षित श्रेणी का लाभ मिलना चाहिए। ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं कि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग खुद को आरक्षित श्रेणी का लाभ पाने का हकदार मानते हैं। मगर अदालत ने अपने निर्णय में साफ कर दिया है कि इस तरह का कोई भी दावा मान्य नहीं हो सकता है। दरअसल, यह मामला आंध्र प्रदेश से सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा था। याचिकाकर्ता ने ईसाई धर्म अपना लिया था, इसके बावजूद वह खुद को अनुसूचित जाति का सदस्य बताते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत संरक्षण प्रावधानों के लाभ की मांग कर रहा था। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने इससे संबंधित याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि धर्म परिवर्तन के बाद किसी व्यक्ति को अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं दिया जा सकता। इसे जागरूकता का अभाव कहा जाएगा या व्यवस्था में अस्पष्टता कि आरक्षित वर्ग से जुड़े लोगों में आज भी यह भ्रम है कि अगर वे हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर कोई दूसरा धर्म अपना लेते हैं, तब भी उन्हें अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम का लाभ मिलता रहेगा। मगर अब शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि ऐसे व्यक्ति को संविधान, संसद या राज्य विधानमंडल के किसी कानून के तहत कोई भी वैधानिक लाभ, संरक्षण या आरक्षण नहीं दिया जा सकता। यह पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसमें कोई अपवाद नहीं है। गौरतलब है कि धर्म परिवर्तन करने वालों की जातिगत स्थिति से जुड़े सवाल केवल अदालतों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इस मसले को राजनीतिक नफा-नुकसान के चश्मे से भी देखा जाता है।

पश्चिम बंगाल का भवानीपुर बना आगामी विधानसभा चुनावी रण का मैदान

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उसी मुकाबले की ओर बढ़ती दिख रही है जिसने 2021 के विधानसभा चुनाव को राष्ट्रीय स्तर पर सबसे चर्चित बना दिया था। मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के सामने एक बार फिर खड़े हैं उनके पूर्व सहयोगी से सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बने सुवेंदु अधिकारी, फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार लड़ाई नंदीग्राम में नहीं बल्कि कोलकाता के सबसे प्रतिष्ठित और राजनीतिक रूप से संवेदनशील विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर में हो रही है। साल 2026 के विधानसभा चुनाव में भवानीपुर सीट को सिर्फ एक सामान्य सीट नहीं, बल्कि पूरे चुनाव की दिशा तय करने वाली सीट माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह मुकाबला सिर्फ एक सीट का नहीं, बल्कि बंगाल की सत्ता की प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है। बहरहाल इस बार भवानीपुर का मुकाबला महज एक सीट की जंग नहीं, बल्कि बंगाल की सबसे बड़ी 'सियासी डर्बी'(कोलकाता की दो मशहूर कट्टर प्रतिद्वंद्वी टीम मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच होने वाले मैच को 'कोलकाता डर्बी' कहा जाता है।) बन चुका है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति के लगातार बदलते परिदृश्य में भवानीपुर जैसी कुछ ही सीटें हैं, जिनके साथ इतिहास और प्रतीकात्मक महत्व इतनी गहराई से जुड़ा हुआ है। यह केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि वह राजनीतिक सफर है जो राज्य में कांग्रेस के लंबे प्रभुत्व से लेकर तृणमूल कांग्रेस के उभार तक के बदलाव को साफ तौर पर दर्शाता है। आज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक गढ़ मानी जाने वाली भवानीपुर सीट हमेशा से तृणमूल कांग्रेस की पहचान नहीं रही। आजादी के बाद दशकों तक दक्षिण कोलकाता की यह सीट कांग्रेस का मजबूत गढ़ थी और राज्य के कई प्रभावशाली नेताओं का राजनीतिक आधार रही। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे ने इस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में और बाद में निर्दलीय के तौर पर चुनाव जीता। कांग्रेस के अन्य दिग्गज नेताओं जैसे मीरा दत्ता गुप्ता और रथिन तालुकदार ने भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया, जिससे भवानीपुर कांग्रेस का प्रमुख शहरी गढ़ बन गया। कई वर्षों तक यह सीट कांग्रेस के प्रभाव में रही, जबकि वामपंथी दल उस समय केवल 1969 में थोड़े समय के लिए यहां जीत हासिल कर सके, जब इस सीट का नाम बदलकर कालीघाट विधानसभा क्षेत्र कर दिया गया था। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता साधन गुप्ता ने बांग्ला कांग्रेस और माकपा की संयुक्त मोर्चा की दूसरी सरकार के दौरान यह सीट जीती। वह 1953 में भारत के पहले दृष्टिहीन सांसद बने थे।

भवानीपुर की राजनीतिक यात्रा ने तब अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जब यह सीट 1972 में परिसीमन के बाद चुनावी नक्शे से ही गायब हो गयी। लगभग चार दशकों तक यह सीट केवल राजनीतिक स्मृतियों में ही बनी रही। जब 2011 के परिसीमन के दौरान यह सीट दोबारा अस्तित्व में आयी, तब पश्चिम बंगाल की राजनीति भी बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही थी। उसी वर्ष वाम मोर्चा के 34 साल के शासन का अंत हुआ और ममता बनर्जी का दौर शुरू हुआ। नए सिरे से बनी भवानीपुर सीट जल्द ही तृणमूल के उभार से जुड़ गई। बनर्जी ने 2011 के पहले चुनाव में अपने करीबी सहयोगी सुब्रत बक्शी को इस सीट से उम्मीदवार बनाया। बक्शी ने 64 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल कर माकपा के नारायण जैन को करीब 50,000 वोट से हराया और भवानीपुर को तृणमूल का मजबूत गढ़ बना दिया।

इसके बाद बक्शी ने सीट छोड़ दी ताकि तृणमूल की भारी जीत के बाद मुख्यमंत्री बनीं ममता बनर्जी उपचुनाव के जरिए विधानसभा में प्रवेश कर सकें। बनर्जी ने करीब 77 प्रतिशत वोट हासिल कर माकपा की नंदिनी मुखर्जी को 54,000 से अधिक मतों से हराया और भवानीपुर में अपना मजबूत राजनीतिक आधार स्थापित किया। तब से यह सीट तृणमूल के कब्जे में बनी हुई है। कोलकाता के महापौर और मंत्री फिरहाद हाकिम ने कहाकि भवानीपुर हमारे लिए सिर्फ एक सीट नहीं है। यह वह जगह है जहां लोगों ने ममता बनर्जी की विकास और समावेश की राजनीति पर बार-बार भरोसा जताया है।

वर्षों से भवानीपुर में कई हाई-प्रोफाइल मुकाबले हुए, लेकिन नतीजा नहीं बदला। 2016 के विधानसभा चुनाव में वाम दलों और कांग्रेस ने गठबंधन कर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दीपा दासमुंशी को बनर्जी के खिलाफ उतारा। इस मुकाबले को 'दीदी बनाम बौदी' के रूप में पेश किया गया। बनर्जी ने 65,520 वोट हासिल कर दासमुंशी (40,219 वोट) को आसानी से हराया। भाजपा के चंद्र कुमार बोस तीसरे स्थान पर रहे, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस के परिवार से ताल्लुक रखते हैं। पांच साल बाद 2021 के विधानसभा चुनाव में बनर्जी ने नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का फैसला किया, जहां उनका मुकाबला उनके पूर्व सहयोगी शुभेंदु अधिकारी से हुआ। भवानीपुर से तृणमूल ने शोवनदेव चट्टोपाध्याय को उम्मीदवार बनाया, जबकि भाजपा ने अभिनेता रुद्रनील घोष को मैदान में उतारा। घोष को 44,786 वोट मिले, जो इस सीट पर किसी विपक्षी उम्मीदवार को अब तक मिले सबसे ज्यादा वोट थे लेकिन वह 28,000 से अधिक वोटों से हार गए। उसी साल यह सीट और अधिक महत्वपूर्ण हो गई। नंदीग्राम में अधिकारी से 1,956 वोटों से हारने के बाद ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उपचुनाव जीतना जरूरी था। एक बार फिर भवानीपुर केंद्र में आया। चट्टोपाध्याय ने सीट खाली की और बनर्जी ने भाजपा की प्रियंका टिबरेवाल के खिलाफ उपचुनाव लड़ा। बनर्जी ने 58,000 से अधिक वोटों के अंतर और लगभग 72 प्रतिशत मतों के साथ जीत हासिल की, जिससे भवानीपुर उनकी सबसे भरोसेमंद सीट के रूप में स्थापित हो गया।

भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र मुख्यत: कोलकाता नगर निगम के वार्डों से बना है जो दक्षिण कोलकाता की सामाजिक विविधता को दर्शाता है। यहां बंगाली मध्यमवर्गीय इलाकों के साथ बड़ी संख्या में हिंदी भाषी व्यापारी समुदाय भी रहते हैं। इस क्षेत्र में प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर भी स्थित है, जो कोलकाता के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है और यहीं ममता बनर्जी का निवास भी है। अनुमान के अनुसार, यहां लगभग 42 फीसदी वोटर बंगाली हिंदू, 34 फीसदी गैर-बंगाली हिंदू और करीब 24 फीसदी मुस्लिम हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सामाजिक मिश्रण ममता बनर्जी की शहरी जनवादी राजनीति के अनुकूल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक विश्वनाथ चक्रवर्ती ने कहाकि भवानीपुर दक्षिण कोलकाता की बहुसांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। ममता बनर्जी ने यहां समुदायों से परे एक व्यक्तिगत जुड़ाव बनाया है। जैसे-जैसे 2026 के विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, भवानीपुर एक बार फिर राजनीतिक केंद्र में है। इस सीट पर एक बार फिर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी बनाम ममता बनर्जी का मुकाबला होने वाला है। इस मुकाबले ने इस सीट की राजनीतिक कहानी में एक नया नाटकीय मोड़ जोड़ दिया है। चक्रवर्ती ने कहाकि भवानीपुर में बनर्जी को चुनौती देकर भाजपा इस सीट को मनोवैज्ञानिक युद्ध का मैदान बनाना चाहती है। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया ने भी इस सीट को लेकर राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। भवानीपुर में मतदाता सूची से 47,000 से अधिक नाम हटाए गए हैं, जबकि 14,000 से अधिक मतदाता सत्यापन के अधीन हैं। भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में समय बदल चुका है। जो सीटें कभी अजेय मानी जाती थीं, वे अब चुनौती का सामना कर रही हैं और भवानीपुर भी इसका अपवाद नहीं होगा। निकटवर्ती चुनावी मुकाबले से परे भवानीपुर अब राज्य की सबसे प्रतीकात्मक राजनीतिक लड़ाई के केंद्र में है।

अब इस बंगाल विधानसभा चुनाव कि लड़ाई में तब एक और ट्विस्ट आया है जब भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव प्रचार का खाका तैयार करते समय सबसे पहले उनके 'अंतिम प्रहार' की जगह तय की है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बंगाल चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी का आखिरी और सबसे भव्य रोड शो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गढ़ यानी 'भवानीपुर' से होकर गुजरेगा।राज्य में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होना है, लेकिन सबकी निगाहें 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण पर टिकी हैं, जिसमें कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल की 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। इसी चरण के प्रचार के अंतिम दौर में, यानी 24 से 27 अप्रैल के बीच, प्रधानमंत्री कोलकाता की सड़कों पर उतरेंगे। हालांकि सुरक्षा कारणों और एसपीजी की मंजूरी के बाद ही विस्तृत रूट चार्ट फाइनल होगा, लेकिन यह तय हो चुका है कि इस रोड शो का केंद्र बिंदु भवानीपुर ही रहेगा। चर्चा है कि रोड शो या तो भवानीपुर से शुरू होगा या फिर यहीं इसका भव्य समापन होगा। मैदान पर गहमागहमी शुरू हो चुकी है। सुवेंदु अधिकारी पहले ही भवानीपुर की गलियों में जनसंपर्क शुरू कर चुके हैं, जहां उन्हें तृणमूल के विरोध और नारों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने भी रविवार से अपनी चुनावी जनसभाओं का आगाज कर दिया है।भाजपा का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो की खबर से न केवल कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि भवानीपुर के मतदाताओं के बीच 'मोदी फैक्टर' को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

नेशनल हाईवे निर्माण से पहले आदिवासी किसानों ने मुआवजा मांगा, भुगतान बिना काम शुरू न करने की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले से गुजरने वाले 55.80 किलोमीटर लंबे सरवर देवला से पाल महाराष्ट्र नेशनल हाईवे-347 के निर्माण से पहले आदिवासी किसानों ने मुआवजे की मांग की है। मंगलवार दोपहर बड़ी संख्या में किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे और डिप्टी कलेक्टर अनिल जैन से मुलाकात की। प्रभावित आदिवासी किसानों ने 17 मार्च को चिरिया में ग्राम पंचायतों के ग्रामसभा के ठहराव प्रस्ताव भी प्रशासन को सौंपे हैं। इन प्रस्तावों में बताया गया है कि वनभूमि ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है, इसलिए हाईवे का निर्माण कार्य मुआवजे के भुगतान के बाद ही शुरू किया जाना चाहिए। डिप्टी कलेक्टर अनिल जैन ने किसानों की बात सुनी और उन्हें प्रशासन स्तर पर वन विभाग से समन्वय कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया। इस दौरान झिरन्या और भगवानपुरा ब्लॉक के सभी पटेल, सरपंच, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि मौजूद थे। किसानों ने बताया कि शासन स्तर पर वन अधिकार पट्टे वाली भूमि के अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू की गई है। राजस्व भूमि के प्रभावित किसानों को मुआवजा मिल चुका है, लेकिन वन क्षेत्र में आने वाली भूमि के लिए मुआवजा नहीं मिलने से किसान परेशान हैं। इस संबंध में प्रभावित किसान वन विभाग के परिक्षेत्र अधिकारी को भी अवगत करा चुके हैं।

किसानों की समस्याओं पर कांग्रेस ने दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● जिला किसान कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर एसडीएम अजमेर सिंह गौड़ को कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया। प्रमुख मांगों में जिला सहकारी समिति की वसूली की तारीख 31 अप्रैल तक बढ़ाना शामिल है। किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश महाजन बुनगाल ने बताया कि वर्तमान में गेहूं की फसल तैयार है, लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की तारीख 1 अप्रैल से निर्धारित है। इससे किसान जिला सहकारी बैंक में अपना पैसा जमा करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। इसलिए, जिला सहकारी समिति में खाता पलटने की अंतिम तारीख 31 अप्रैल करने की मांग की गई है। ज्ञापन में बिजली कंपनी द्वारा किसानों के लाइट कनेक्शन काटने पर तत्काल रोक लगाने की भी मांग की गई। नेताओं ने कहा कि किसान अग्रिम बिल का भुगतान करते हैं और गर्मी के मौसम में उनके कनेक्शन काटना उचित नहीं है। उन्होंने किसानों को बिजली बिल में राहत देने की अपील की।

इसके अतिरिक्त, पिछले दिनों आंधी-तूफान से जिन किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा था, उन्हें अब तक मुआवजा नहीं मिला है। किसान कांग्रेस ने तत्काल किसानों के खातों में मुआवजा राशि जमा करने की मांग की। कांग्रेस नेता अजय रघुवंशी ने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, इसलिए वसूली को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली कंपनी मार्च एंडिंग के नाम पर वसूली कर रही है, जिसे रोका जाना चाहिए। किसानों के पास फसल बेचकर पैसा आने के बाद ही वे बिल का भुगतान कर पाएंगे। इस दौरान अन्य कांग्रेस नेता भी उपस्थित थे।

किताबों पर मिलेगा डिस्काउंट : 26 से 30 मार्च तक चलेगा पुस्तक मेला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● आगामी शिक्षा सत्र को ध्यान में रखते हुए खंडवा जिले में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए पांच दिवसीय 'पुस्तक मेला' आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता के निर्देश पर यह मेला 26 से 30 मार्च तक जिमखाना ग्राउंड के पास, सूरजकुंड स्थित पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में लगाया जाएगा। मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने पुस्तक विक्रेताओं के साथ तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मेले में आने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को उचित मूल्य पर तथा रियायती दरों पर पाठ्यपुस्तकें और शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाए। डॉ. गौड़ा ने कहा कि मेले में ही विद्यार्थियों को सभी विषयों की किताबों के सेट उपलब्ध कराए जाएं, ताकि उन्हें अलग-अलग दुकानों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने विक्रेताओं को सख्त हिदायत दी कि विद्यार्थियों को अपनी बाजार स्थित दुकानों पर आने के लिए प्रेरित न करें, बल्कि पूरी व्यवस्था मेले में ही सुनिश्चित करें। सीईओ ने निर्देशित किया कि सभी बुक स्टॉल पर उपलब्ध पुस्तकों और उन पर दिए जा रहे डिस्काउंट को स्पष्ट रूप से बैनर के माध्यम से

प्रदर्शित किया जाए। साथ ही, किन-किन स्कूलों की पुस्तकें उपलब्ध हैं, इसकी जानकारी भी फ्लेक्स या ड्राइंग शीट पर लिखकर लगाई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कॉपियों पर मिलने वाले डिस्काउंट की जानकारी भी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए और प्रत्येक स्कूल व कक्षा की पुस्तक सूची काउंटर पर उपलब्ध रहे, ताकि अभिभावकों और विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। डॉ. गौड़ा ने मेले के सुचारू संचालन के लिए बुक स्टॉल निर्धारित समय पर खोलने और बंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। किसी भी समस्या की स्थिति में पुस्तक विक्रेता जिला शिक्षा अधिकारी से संपर्क कर उसका समाधान कर सकते हैं।

मंडी 27 मार्च से 1 अप्रैल तक बंद रहेगी, त्योहारों, बैंक अवकाश के कारण नीलामी नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●अनाज और कपास मंडी 27 मार्च से 1 अप्रैल तक बंद रहेगी। यह अवकाश विभिन्न त्योहारों और बैंक की छुट्टियों के कारण घोषित किया गया है। इस अवधि के दौरान मंडियों में कपास, डॉलर चना और अन्य अनाज की नीलामी पूरी तरह से बंद रहेगी। खरगोन अनाज मंडी व्यापारी संघ ने मंडी प्रबंधन को नीलामी में भाग न लेने संबंधी आवेदन दिया था। मंडी प्रबंधन के अनुसार, यह निर्णय विभिन्न पर्वों, अवकाशों और लेखाबंदी के कारण लिया गया है। इसका उद्देश्य किसानों और व्यापारियों को संभावित असुविधा से बचाना है। अवकाश के दिनों में 27 मार्च को रामनवमी, 28 मार्च को बैंक अवकाश, 29 मार्च को साप्ताहिक अवकाश, 30 मार्च को लेखाबंदी, 31 मार्च को महावीर जयंती और 1 अप्रैल को बैंक अवकाश शामिल हैं। मंडी प्रबंधन ने पुष्टि की कि इन छह दिनों की अवधि में अनाज, कपास और डॉलर चना की नीलामी पूरी तरह से बंद रहेगी। मंडी अब 2 अप्रैल को अपने नियमित कामकाज के लिए खुलेगी।

नर्मदा घाट पर बुलेट से 'पटाखे' फोड़ने वाले पर जुर्माना, वाहन भी जब्त किया

दैनिक इंदौर संकेत

महेश्वर ● मंडलेश्वर में नर्मदा घाट पर मॉडिफाइड बुलेट से पटाखों जैसी आवाज निकालकर हुड़दंग मचाने वाले चालक लोकेश तंवर पर कोर्ट ने 13,500 रुपए का अर्थदंड लगाया है। यह कार्रवाई सार्वजनिक स्थल पर शांति भंग करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को खतरे में डालने के मामले में की गई है। बता दें कि 20 मार्च को पुलिस ने आरोपी को नर्मदा घाट क्षेत्र में दहशत फैलाते हुए पकड़ा था। थाना प्रभारी पंकज तिवारी ने बताया कि विशेष अभियान के तहत वाहन (स्क्क्त0ष्ठ3831) को जब्त किया था। जांच में पाया गया कि बुलेट में अवैध रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर लगाया गया था, जिससे तेज आवाजें निकल रही थीं।

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पुलिस के साक्ष्यों के आधार पर चालक को दोषी करार दिया। फैसले में स्पष्ट किया गया कि

धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर यातायात नियमों का उल्लंघन और हुड़दंगबाजी स्वीकार्य नहीं है। पुलिस ने इस कार्रवाई के माध्यम से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ा संदेश जारी किया है।

सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने की अपील

थाना प्रभारी ने स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों से सार्वजनिक स्थलों की गरिमा बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी मॉडिफाइड वाहनों और शांति भंग करने वाले तत्वों के खिलाफ इसी तरह की सख्त वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

चार घंटे बिजली कटौती रहेगी, कई कॉलोनियों में सप्लाई बंद रहेगी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● शहर संभाग अंतर्गत 11 केव्ही जीडीसी फीडर पर आवश्यक मेंटेनेंस कार्य के चलते सुबह 7 बजे से 11 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। बिजली विभाग ने बताया कि कार्य के दौरान संबंधित क्षेत्रों में विद्युत प्रदाय अस्थायी रूप से प्रभावित रहेगा।

कटौती के दौरान रिलायंस मार्ट (पदम नगर थाना के सामने), श्रीनगर कॉलोनी, सैफी कॉलोनी, जैन नर्सिंग होम, प्रकाश हॉस्पिटल, स्नेह नगर, बैंक ऑफ बड़ौदा, एक्सिस बैंक सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। बिजली कंपनी के सहायक यंत्री (मेंटेनेंस) महेश कुमार सोलंकी ने बताया कि, विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से कर लें। साथ ही बताया गया है कि मेंटेनेंस कार्य की स्थिति के अनुसार बिजली बंद रहने का समय घटाया या बढ़ाया भी जा सकता है।

अभी टीम के लिए काफी कुछ करना चाहता हूं : स्टोक्स

लंदन (एजेंसी) ● इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में टीम की करारी हार के बाद भी कप्तान बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकलम को उनके पद पर बनाये रखा है। इससे पहले माना जा रहा था कि एशेज सीरीज में मिली 4-1 की हार के बाद कोच और कप्तान को को हटा दिया जाएगा। वहीं बोर्ड से मिले समर्थन से उत्साहित स्टोक्स ने कहा है कि वह वह अभी टीम के लिए काफी कुछ करना चाहते हैं। जून में क्रिकेट सत्र शुरु होने के बाद उनका लक्ष्य और भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

स्टोक्स ने सोशल मीडिया में जारी एक बयान में , ' इंग्लैंड के क्रिकेट प्रशंसकों देश का कप्तान होना किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सम्मान होता है जिसे वह हल्के मैं इसे हल्के में नहीं लेते। साथ ही कहा कि कप्तानी करते हुए अच्छे और खराब दोनों ही प्रकार के अवसर आते हैं। इसमें कभी खुशी और कमी गम भी मिलता है। खेल आपको पूरी तरह से अपने अंदर समा लेता है और कभी-कभी ऐसा लगता है कि आपकी ज़िंदगी में बस यही एक चीज़ है। ' उन्होंने माना, पिछले 3 महीने मेरी कप्तानी के सफर का सबसे कठिन समय रहा है, इसने मुझे कई अलग-अलग तरीकों से परखा है और मुझे भरोसा है कि हर दूसरा कप्तान भी इससे गुजरा होगा। इसके बाद भी मैकलम, रॉब की और मुझमें इस टीम को आगे ले जाने का जुनून और इच्छा है, हम आपको वह सब कुछ देंगे जो हमारे पास है, हम जानते हैं कि हमने रास्ते में गलतियां कीं और हमने उन गलतियों से काफी कुछ सीखा है।

हम केवल शामिल होने नहीं खिताब जीतने उतरेंगे : शुभमन

अहमदाबाद (एजेंसी) ● गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में कठिन हालातों में भी शांत बने रहते है। शुभमन से जब इसका राज पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पर भरोसा है इसलिए व धैर्य से अपने अनुसार खेलते रहते हैं। इसके अलावा उन्हें अपनी टीम के साथ सुरक्षित महसूस होता है। गुजरात ने एक बार खिताब जीता है जबकि एक बार वह उपविजेता रही है ऐसे में अब शुभमन का लक्ष्य टीम को इस बार जीत दिलाना रहेगा। उनका कहन है कि हम केवल भाग लेने नहीं जीतने के इरादे से उतरेंगे।

गिल ने में कहा, 'मैं स्वयं जैसा हूं और मेरे खेल और अपने समूह में जो विश्वास और सुरक्षा है, उसी से मेरे खेल में संयम आता है।' गुजरात टाइटंस की टीम अपना पहला मुकाबला 31 मार्च को गत उपविजेता पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलेगी। उसके बाद उसे 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है। शुभमन ने कहा, 'किसी भी हालात में शांत रहने से ही खेल आगे बढ़ने पर जीत की संभावना बनी रहती है।।' उन्होंने कहा कि मुख्य कोच आशीष नेहरा से उन्हें ये सीखने को मिला है।पिछले सत्र में गुजरात को एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था। नेहरा ने कहा कि इस बार उनका ध्यान केवल खिताब जीतने पर रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस सत्र में अलग तरह से सोचने की जरूरत नहीं है। वास्तव में, मुझे सोचने की जरूरत नहीं है, खिलाड़ी सोचते हैं। उन्हें खेलना है, मैं बाहर बैठा हूं।' नेहरा ने कहा, 'पहले दिन से हमारी नीति साफ है। हम केवल शामिल होने नहीं जीतने के लिए यहां हैं। एक नई टीम के लिए यह सोचना आसान होता है कि इसमें समय लगेगा पर हमारा कभी भी ऐसा रवैया नहीं रहा।' गुजरात के लिए सकारात्मक पक्ष आशीष नेहरा जैसा कोच होना है जो टीम को लगातार बेहतर करने प्रेरित करते रहते हैं।

सिनर ने तोड़ा जोकोविच का रिकॉर्ड, मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स में लगातार 26 सेट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (एजेंसी) ● इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार सबसे अधिक सेट जीतने के मामले में नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सिनर ने मियामी ओपन के तीसरे राउंड में कोरेंटिन मूटे को 6-1, 6-4 से हराया। यह मुकाबला एक घंटा 11 मिनट तक चला। इस जीत के साथ सिनर के लगातार जीते गए सेटों की संख्या 26 हो गई है, जबकि जोकोविच के नाम 24 सेट का रिकॉर्ड था। जोकोविच ने यह उपलब्धि 2016 में इंडियन वेल्स और मियामी के बीच हासिल की थी। सिनर का यह शानदार सफर पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ था। वहां उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए खिताब अपने नाम किया था। मैच के बाद सिनर ने एटीपी की वेबसाइट से कहा, मैं बहुत खुश हूं। यह खेल अप्रत्याशित है, इसलिए हम जितना हो सके उतना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं। अब देखते हैं कि अगले दौर में क्या होता है। उन्होंने आगे कहा कि वह हर मैच के लिए तकनीकी रूप से पूरी तरह तैयार रहने की कोशिश करते हैं।

जल्द आ रही है वीरों की भव्य गाथा 'हस्तिनापुर के वीर'

मुंबई (एजेंसी) ● सोनी सब अपना मेगा शो हस्तिनापुर के वीर पेश करने जा रहा है। यह एक दमदार कहानी है साहस, अनुशासन और कालातीत मूल्यों की। इस महागाथा में दिखाया जाएगा कि कैसे धैर्य, भाईचारा और एक सशक्त मां का मार्गदर्शन उन योद्धाओं को गढ़ता है, जिन्होंने इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी। दर्शकों में उत्साह बढ़ाने के लिए सोनी सब ने एक दिलचस्प प्रोमो लांच किया है, जो इस सफर को खूबसूरती से दिखाता है। यह प्रोमो पहले ही दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया पा रहा है। हस्तिनापुर की भव्य पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो एकता, धर्म और दृढ़ता की कहानी को जीवंत करता है। यह बताता है कि महानायक पैदा नहीं होते, उन्हें बनाया जाता है। दमदार कहानी और विजुअली इमर्सिव वर्ल्ड के साथ हस्तिनापुर के वीर दर्शकों को उस युग में ले जाएगा, जहां मूल्य और नियति एक-दूसरे से जुड़ते हैं। 'हस्तिनापुर के वीर' जल्द ही सोनी सब पर प्रसारित होगा।

फिल्म 'केरल स्टोरी 2' को लेकर उल्का गुप्ता चर्चा में

मुंबई (एजेंसी) ● फिल्म 'केरल स्टोरी 2' को लेकर अभिनेत्री उल्का गुप्ता चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म की रिलीज के बाद जहां एक ओर इसे लेकर विवाद और बहस तेज हुई, वहीं दूसरी ओर इसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही है। इस फिल्म में तीन अलग-अलग राज्यों से जुड़ी कहानियों को दर्शाया गया है, जिनमें धोखे से धर्मांतरण जैसे संवेदनशील मुद्दे को उठाया गया है। हाल ही में इंटरव्यू में उल्का गुप्ता ने फिल्म को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती हैं और जो कुछ भी समाज में घटित होता है, उसे फिल्म निर्माता अपने नजरिए से प्रस्तुत करते हैं।

उनके मुताबिक, अलग-अलग विषयों पर फिल्में बनती रहनी चाहिए, क्योंकि दर्शक कभी मनोरंजन के लिए, कभी सीख के लिए तो कभी भावनात्मक जुड़ाव के लिए फिल्में देखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह हमेशा उन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना पसंद करती हैं, जिनकी कहानी या किरदार उन्हें प्रभावित करता है। उल्का गुप्ता ने बताया कि उन्हें परिवार और दोस्तों से जो प्रतिक्रिया मिली है, वह बेहद भावनात्मक रही है। उनके अनुसार, फिल्म देखने के बाद कई लोगों ने कहा कि इससे उनकी सोच पर गहरा असर पड़ा है और कुछ पहलुओं ने उनकी आंखें खोल दी हैं। अभिनेत्री ने कहा कि इस तरह की प्रतिक्रिया उनके लिए बेहद मायने रखती है। फिल्म से अपने जुड़ाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि 'केरल स्टोरी 2' का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि जब उन्हें यह प्रोजेक्ट ऑफर हुआ, तो उन्होंने बिना किसी हिचक के इसे स्वीकार किया और पूरी तरह अपने किरदार पर ध्यान केंद्रित किया।

उज्जैन संभाग

विकास प्राधिकरण का बुलडोजर चला, बेगमबाग के 16 मकान-होटल एवं गेस्ट हाउस तोड़ने पहुंचा अमला

दैनिक इंदौर संकेत

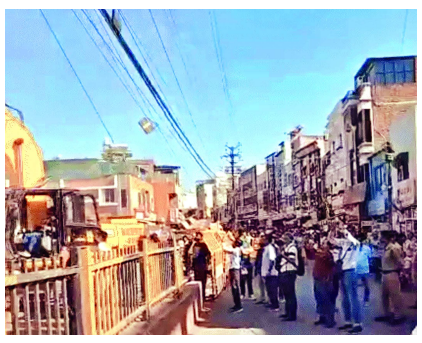

उज्जैन ●उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने लीज नियमों का उल्लंघन करने पर महाकाल मंदिर से सटे बेगमबाग क्षेत्र में मंगलवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 मकान, रेस्ट हाउस, होटल को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की। जबकि एक स्कूल को भवन खाली करने के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया है। विरोध प्रदर्शन की आशंका के चलते कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। दो पोकलेन, चार जेसीबी, पांच डंपर लेकर जिला प्रशासन, यूडीए, नगर निगम सहित पुलिस के 200 अधिकारी-कर्मचारी सुबह 8 बजे से पहले मौके पर पहुंच गए थे। यूडीए के सीईओ संदीप सोनी ने बताया कि यह कार्रवाई सभी अतिक्रमण हटने तक जारी रहेगी। इस दौरान 45 प्लाट पर बने 90 स्ट्रक्चर हटाए जाने हैं। बता दें कि कुल 58 अतिक्रमण हैं, जिनमें से 42 को पहले हटाया जा चुका है। 16 स्ट्रेक्चर को हटाना है।

एक हफ्ते पहले दिए थे नोटिस

सरताज खान, खान मोहम्मद, मोहम्मद अनिज, ताहेर अली मोहम्मद यूनुस, हिना खान, मोहम्मद सलीम, अब्दुल हामिद, वारिस बेग, शाहनवाज खान, न्यू सावन पैलेस होटल, राज गेस्ट हॉउस, होटल नसीब सहित होटल डाइमंड के संचालक को एक हफ्ते पहले ही यूडीए ने मकान और होटल खाली कराने के नोटिस दिए थे।

नोटिस के बाद भी नहीं हटाया अतिक्रमण

नोटिस के बाद भी किसी ने भी अतिक्रमण नहीं हटाया। इसके बाद मंगलवार सुबह यूडीए की टीम सहित अन्य अमले ने कार्रवाई शुरू करते हुए मकानों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया।

सिंहस्थ कार्यों में देरी से नाराज मेला अधिकारी ने ठेकेदार पर 5 लाख की पेनल्टी लगाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● संभागायुक्त और मेला अधिकारी आशीष सिंह अब प्रतिदिन सुबह 10 बजे से सिंहस्थ निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगे। पहले ही दिन सोमवार को निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन दताना से पाइप फैक्ट्री तक फोरलेन मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य की गति धीमी होने और निर्माण सामग्री की परीक्षण प्रयोगशाला में कैलिब्रेशन सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं होने पर सिंह ने निर्माण कार्य करने वाले संबंधित ठेकेदार पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगा दी। मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सिंहस्थ के तहत दताना से पाइप फैक्ट्री तक कुल 8.8 किलोमीटर तक निर्माणाधीन फोरलेन मार्ग के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। सिंह ने निर्माण कार्य में उपयोग की जाने वाली सामग्री की परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। परीक्षण प्रयोगशाला में निर्माण एजेंसी द्वारा कैलिब्रेशन सर्टिफिकेट (अंशांकन प्रमाण पत्र) उपलब्ध नहीं होने पर नाराजगी जताई।

कम मजदूर होने पर दिखाई नाराजगी

मार्ग निर्माण के दौरान दताना क्षेत्र में मजदूरों की संख्या कम होने से कार्य की धीमी गति को लेकर भी आशीष सिंह नाराज दिखे। उन्होंने निर्माण कार्य करने वाली संबंधित एजेंसी बिंदल कॉन्ट्रैक्टर एंड डेवलपर्स पर 5 लाख रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण यंत्री गणेश पटेल को दिए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि फोरलेन निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री की टेस्टिंग रिपोर्ट प्रतिदिन अपडेट की जाए। निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता के साथ समय-सीमा का पूर्ण ध्यान रखा जाए। मेला अधिकारी सिंह ने हामूखेड़ी में मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर संबंधित निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी द्वारा जानकारी दी गई कि हामूखेड़ी मार्ग के 900 मीटर के चौड़ीकरण में मार्ग के दोनों ओर 200 मीटर तक सीवेज लाइन और पानी की पाइपलाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है। यहां पर पानी की पाइपलाइन से नल कनेक्शन भी दिए गए हैं। मेला अधिकारी सिंह ने नानाखेड़ा गेल चौराहे से नीलगंगा चौराहे तक 2700 मीटर निर्माणाधीन मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि चौड़ीकरण कार्य तेजी से किया जा रहा है। वर्षा ऋतु प्रारंभ होने तक 1150 मीटर तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है। मार्ग में सीवेज लाइन, नाली निर्माण कार्य, विद्युत पोल लगाने और पेयजल की पाइपलाइन डालने का कार्य प्रगतिरत है। संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि अब तक हुए चौड़ीकरण कार्य के साथ ही आगे होने वाले चौड़ीकरण कार्य की पहले से योजना तैयार कर लें।

उज्जैन-गरोठ हाइवे : रेलवे पटरी तक लोहे के ब्रिज का ढांचा तैयार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन-गरोठ हाइवे के शेष हिस्से का काम निपटाने के लिए हाइवे ने काम लगा दिया है। रेलवे ब्लॉक नहीं मिलने तक दोनों साइडों से लोहे का ढांचा खड़ा करते हुए ब्रिज का स्ट्रक्चर भी खड़ा कर दिया, ताकि रेलवे ब्लॉक मिलते ही पटरी के ऊपरी हिस्से पर ब्रिज खड़ा करते हुए हाइवे निर्माण निपटा दिया जाए। देवास रोड से लगे रेलवे पटरी वाले हिस्से का काम पूरा होते ही इस रोड पर ट्रैफिक शुरू हो जाएगा। इससे मुख्य रोड का लोड भी काफी कम हो जाएगा। देवास या इंदौर से आने वाले वाहन चालकों को शहर में आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गरोठ रोड से होते हुए सीधे बाहर से ही निकल जाएंगे। लालपुर से निकले पंचक्रोशी मार्ग का लोड भी कम होगा, क्योंकि अभी गरोठ हाइवे का पटरी वाला हिस्सा नहीं बन पाने के कारण भारी वाहनों को लालपुर से ही डायवर्ट किया है। इस रास्ते पर भी ब्रिज नहीं बनने के कारण वाहन चालकों को रेलवे फाटक पार करने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। निर्माणाधीन ब्रिज के कारण उखड़े पड़े रास्ते के पास फाटक बंद होने से? दिन में कई बार यहां वाहनों की कतारें लगकर जाम की स्थिति बनती है। उज्जैन की कनेक्टिविटी दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के लिए पिछले 3-4 साल पहले से काम चल रहा है।

बड़नगर मेले में दंगल के बाद विवाद, पहलवान के साथी पर चाकू से हमला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● बड़नगर के भगवती माता मंदिर मेले में दंगल के बाद हुए विवाद में एक व्यक्ति पर चाकू से हमला किया गया। घायल अल्ताफ को उज्जैन के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बड़नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मेले में कुश्ती प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद पहलवानों के बीच जीत-हार को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। पुलिस के अनुसार सोमवार रात करीब 2 बजे हुई इस घटना में खंडवा निवासी 36 वर्षीय अल्ताफ घायल हुए हैं। अल्ताफ एक यूट्यूबर हैं। वह राजेश प्रजापत के साथ दंगल में शामिल होने बड़नगर आए थे और मुकाबले के दौरान वीडियो बना रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दंगल खत्म होने के बाद महू के पहलवान ललित कौशल और उसके साथियों से अल्ताफ का विवाद हुआ। इसके बाद आरोपियों ने अल्ताफ पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत उज्जैन के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अल्ताफ ने आरोप लगाया है कि इस विवाद में अनुराग, श्रवण, रोहित और अर्जुन सहित कुछ अन्य लोग भी शामिल थे। पुलिस ने जल्द ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि का पलटवार, महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव रवींद्र पुरी अध्यक्ष बनने का सपना देख रहे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव रवींद्र पुरी अध्यक्ष बनने का सपना देख रहे हैं, जबकि अखाड़ा परिषद का गठन प्रमुख 13 अखाड़े के दो राष्ट्रीय पदाधिकारी मिलकर तय करते हैं। किसी एक के कहने से कुछ नहीं होता। पूर्व से अखाड़ा परिषद अपना कार्य कर रही है। उज्जैन में न तो कोई चुनाव प्रक्रिया हुई, न ही ऐसा कोई एजेंडा था। सोमवार को शहर आए अखाड़ा परिषद के महामंत्री एवं जूना अखाड़ा के मुख्य संरक्षक महंत हरि गिरि ने यह बात महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्र पुरी महाराज के अध्यक्ष होने के बयान पर पलटवार करते हुए कही। महाकालेश्वर में दर्शन के बाद मीडिया के सवालों पर उन्होंने कहा कि हर कोई पद की लालसा रखता है। हरिद्वार, प्रयागराज कुंभ हमने किया और अब नासिक में कुंभ की तैयारी में वहां की सरकारों के साथ जुटे हैं। जहां भी कुंभ आता है, इस तरह की बातें व भ्रम फैलाने की कोशिश होती हैं, लेकिन हकीकत क्या है सबको पता है। हरि गिरि ने कहा कि सिंहस्थ में अखाड़े को मिलने वाली विकास कार्यों की राशि अखाड़े के नाम दर्ज जमीनों को ही दी जाना चाहिए। हमें जानकारी लगी है कि तीनों वैष्णव अणि अखाड़ों के स्थानीय महंतों ने अखाड़े की जमीन राजस्व रिकॉर्ड में खुद के नाम दर्ज करवा ली है, इसमें सुधार होना चाहिए। उनके मुख्यालय व अखाड़ा प्रमुखों ने उज्जैन जिला प्रशासन को इस आशय के पत्र दिए गए। हम मुख्यमंत्री से यही मांग करते हैं कि जो पांच-पांच करोड़ की राशि दी जाना है, वह अखाड़े के नाम दर्ज भूमि पर ही दी जाए।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर शहर के चार्टर्ड एकाउंटेंट को खरगोन विवि का कार्यपरिषद सदस्य नियुक्त किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के चार्टर्ड अकाउंटेंट को क्रांतिवीर टंट्या भील विश्वविद्यालय, खरगोन का कार्यपरिषद सदस्य नियुक्त किया गया। सीए डॉ. अभय शर्मा और

सीए जय नागपाल को तीन वर्षों के लिए कार्यपरिषद का सदस्य नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल 23 मार्च से 22 मार्च 2029 तक रहेगा। इस नियुक्ति को शिक्षा व प्रोफेशनल जगत में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। सीए डॉ. अभय शर्मा लंबे समय से चार्टर्ड अकाउंटेंसी क्षेत्र में सक्रिय हैं और इंदौर सीए ब्रांच के पूर्व चेयरमैन रहे हैं। वर्तमान में वे हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी नियुक्ति से विश्वविद्यालय की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ होने की उम्मीद जताई जा रही है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में एडमिशन शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षा प्रणाली में हॉस्पिटीलिटी से जुड़े विषयों को शामिल करने से छात्रों को इंडस्ट्री से जुड़े ज़रूरी कौशल मिलते हैं और उनके लिए केरियर के कई नए रास्ते खुलते हैं। हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट की पृष्ठभूमि होने से छात्र होटल, रेस्टोरेंट, पर्यटन, इवेंट मैनेजमेंट और अन्य संबंधित क्षेत्रों में अपना केरियर बना सकते हैं, जिससे भारत की हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अधीन, नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी , नोएडा, पूरे देश में 95 होटल मैनेजमेंट संस्थानों का सबसे बड़ा नेटवर्क चलाता है, जो हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

सीएम हेल्पलाइन से कुछ नहीं होता है, तहसीलों में पटवारी और तहसीलदारों का मजबूत गठबंधन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्ट्रेट की अलग-अलग तहसीलों में हालात काफी बिगड़ चुके हैं। यहां आरआई (राजस्व निरीक्षक), पटवारियों और कुछ तहसीलदारों ने आपस में अपना मजबूत गुट बना लिया है। आलम यह है कि ये लोग सीएम हेल्पलाइन तक की परवाह नहीं करते। अगर कोई व्यक्ति दलालों या एवजियों (प्राइवेट सहायकों) के जरिए काम नहीं कराता, तो उसके आवेदन पर महीनों तक कोई कार्रवाई नहीं होती।

इस समस्या की मुख्य वजह यह है कि पिछले 12 सालों से आरआई और पटवारियों के बड़े स्तर पर तबादले नहीं हुए हैं। वहीं कई तहसीलदार भी सालों से एक ही जगह जमे हुए हैं। इसी कारण दलाल और बाहरी लोग हर जगह हावी हो गए हैं। भ्रष्टाचार का ऐसा ही ताजा मामला अभी सांवेर तहसील में पटवारी और आरआई से जुड़ा सामने आया है। सांवेर तहसील में एक आवेदक ने खाकरोड़ गांव में सीमांकन के लिए अक्टूबर 2025 में आवेदन लगाया था। समयसीमा में 30 दिन में काम होना था लेकिन यह नहीं हुआ। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर को शिकायत की कि इनके द्वारा अवैध धन की इनडायरेक्टली मांग की जा रही है। जब सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की तो पटवारी दीपशिखा कैथवास और आरआई धर्मेंद्र गुप्ता द्वारा इसे वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया। धरमपुरी को दफ्तर में बुलाया गया और बंद कमरे में धमकी भी दी गई। इसमें दो ऑडियो भी सामने आए हैं। इसमें पटवारी आवेदक से कह रही हैं कि- आप पता नहीं सीएम हेल्पलाइन को क्या ही समझते हैं। सीएम हेल्पलाइन से कुछ नहीं होता है। मैं मंडे को नपती का नोटिस निकाल दूंगी। वहीं एक अन्य ऑडियो जो आरआई गुप्ता और पटवारी कैथवास के बीच में है। इसमें आरआई पटवारी को कह रह हैं कि नपती का काम आपका है। मैंने आवेदक को सिर्फ सीएम हेल्पलाइन के लिए बुलाया था, मौके पर पटवारी जाएगा और बताएगा क्या पोजीशन है। यह देखना आपका काम है। इस मामले में शिकायत के बाद इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने पटवारी कैथवास और आरआई गुप्ता को सस्पेंड के आदेश जारी किए हैं। साथ ही तहसीलदार पूनम तोमर को नोटिस दिया गया है। अब कलेक्ट्रेट में केवल जूनी इंदौर और बिचौली हप्सी तहसील रह गई है। सांवेर, महू, देपालपुर तहसील पहले से ही अलग थी और अब कनाडिया, राऊ, मल्हारगंज, खुडैल भी अलग हो चुकी है। हालत यह है कि इन तहसीलों में कोई झांकने वाला नहीं है। सब जगह कॉकस पनप रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारी भी इन तहसीलों में झांककर दौरा नहीं करते हैं। कई तहसीलें एवजियों के भरोसे चल रही है। मध्य प्रदेश शासन द्वारा राजस्व कोर्ट अच्छे से चले इसके लिए तहसीलों को प्रोटोकॉल और रिवेन्यू तहसीलदारों में बदला था। इसी के तहत इंदौर में भी प्रोटोकॉल व अन्य काम का जिम्मा दूसरे तहसीलदारों को दिया गया है। बात थी कि इसमें 6 माह में रोस्टर से बदलाव होगा। लेकिन बदलाव नहीं हुआ और जो राजस्व कोर्ट में लगे हैं, उन्होंने अधिकांश जगह मजबूत गठबंधन बना लिया है।

रेप के आरोपी आसाराम और पुत्र नारायण साईं दोनों इंदौर में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● दुष्कर्म के आरोपी आसाराम सोमवार शाम को इंदौर आ चुके हैं। जमानत के बाद वह लंबे समय बाद इंदौर आए हैं। एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए आश्रम के पदाधिकारी पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि जल्द ही वह सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में मेडिकल चेकअप कराएंगे। वहीं उनके (आसाराम बापू) पुत्र नारायण साईं को पुलिस कुटुंब कोर्ट में पेश करने के लिए सुरक्षा के बीच में इंदौर लेकर आई है।

साईं की पत्नी ने मांगे हैं 55 लाख

पत्नी ने मांगा है 55 लाख का मुआवजा-दरअसल नारायण साईं और उनकी पत्नी का घरेलू विवाद चल रहा है। साल 2018 में कुटुंब (फैमिली) कोर्ट ने आदेश दिए थे कि हर माह पत्नी को भरण-पोषण भत्ता दिया जाए। लेकिन पत्नी जानकी हरपलानी ने फिर आवेदन लगाया कि सात साल से एक भी किश्त नहीं दी गई है। यह राशि 55 लाख रुपए बनती है। इसे दिलाया जाए। इस मामले में कोर्ट में लगे आवेदन पर सुनवाई होना है। इसमें वकील के जरिए पत्नी ने नारायण साईं से 55 लाख रुपए की मांग की है। इस मामले में पत्नी और उनके अधिवक्ता दोनों ने ही कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया।

इंदौर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नगर निगम की मनमानी पर लगी लगाम, सड़क चौड़ीकरण का नोटिस निरस्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम के एक नोटिस को हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है। यह मामला नेहरू प्रतिमा (मधुमिलन चौराहा) से छावनी पुल तक सड़क के विस्तार से जुड़ा हुआ था। याचिकाकर्ता ने नगर निगम के नोटिस को कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने नगर निगम की कार्रवाई को गलत ठहराया और आदेश को निरस्त कर दिया।

निगम ने दिया था नोटिस, हटाने के लिए मकान-इंदौर नगर निगम ने याचिकाकर्ता बसंत रावत को नोटिस जारी किया था। नोटिस में कहा गया था कि उनका मकान सड़क के विस्तार में रुकावट डाल रहा है और इसे हटाने का आदेश दिया गया था। यह नोटिस 26 फरवरी 2026 को नगर निगम के भवन अधिकारी ने जारी किया गया था।

याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में दी चुनौती-याचिकाकर्ता ने अपने वकील

जयेश गुरनानी के माध्यम से हाईकोर्ट में इस नोटिस को चुनौती दी। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उनका मकान नगर निगम से प्राप्त अनुमति और मंजूर नक्शे के हिसाब से बना हुआ था। उन्होंने तर्क दिया कि नगर निगम ने पहले 60 फीट सड़क चौड़ी करने का आदेश दिया था, लेकिन अब 80 फीट का आदेश दिया जा रहा था, जो गलत था।

हाईकोर्ट ने निरस्त किया निगम का नोटिस-हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के तर्कों को स्वीकार करते हुए नगर निगम के नोटिस को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि नगर निगम ने याचिकाकर्ता को सुनवाई का उचित अवसर नहीं दिया था, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ था। कोर्ट ने नगर निगम को आदेश दिया कि वह मामले की फिर से सुनवाई करें और एक उचित निर्णय लें।

हाईकोर्ट का अंतिम आदेश और भविष्य की राह

माननीय न्यायालय ने 16 मार्च 2026 को दिए अपने आदेश में निगम के पुराने नोटिस को 'शून्य' घोषित कर दिया। कोर्ट ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ता 26 मार्च 2026 को दोपहर 11 से 3 बजे के बीच निगम अधिकारियों के सामने पेश हों। अब निगम को पूरे मामले की नए सिरे से सुनवाई करनी होगी और एक 'रीजन्ड ऑर्डर' (तर्कसंगत आदेश) पारित करना होगा। तब तक के लिए याचिकाकर्ता की संपत्ति पर किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्यवाही पर रोक लगा दी गई है।

एसीपी के सामने दुष्कर्म पीड़िता बोली

टीआई साहब करते है रात को कॉल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में एक महिला ने पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई में एमजी रोड थाना प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि उसे बार-बार व्हाट्सएप कॉल्स के माध्यम से शिकायत वापस लेने के लिए धमकाया जा रहा है। यह मामला तब सामने आया जब महिला ने अपने साथ हुए दुष्कर्म की शिकायत नीमच में पदस्थ पुलिसकर्मी अनिरुद्ध के खिलाफ की थी। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी पुलिसकर्मी ने कोर्ट में उसकी वैवाहिक स्थिति को लेकर गलत जानकारी दी थी। महिला का आरोप है कि जब उसने एमजी रोड थाना में लिखित शिकायत की, तब पुलिस ने सिर्फ उसका बयान लिया और कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इसके बाद महिला ने सीएम हेल्पलाइन पर अपनी शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस कमिश्नर ऑफिस में मची खलबली-परेशान पीड़िता मंगलवार को सीधे इंदौर पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंच गई। वहां उसने एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह को अपनी लिखित शिकायत सौंपी। पुलिस अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच अब एक महिला अधिकारी को सौंप दी है। बड़े अधिकारियों का कहना है कि जो भी सच होगा, उसे सामने लाया जाएगा।

व्हाट्सएप कॉल्स से शिकायत वापस लेने के लिए दबाव-महिला का कहना है कि 19 जनवरी 2026 से एमजी रोड थाना प्रभारी विजय सिसौदिया उसे देर रात व्हाट्सएप कॉल कर परेशान कर रहे हैं। पुलिस अधिकारी पर आरोप है कि वे शिकायत वापस लेने के लिए उसे मानसिक रूप से दबाव बना रहे हैं। महिला ने इस बारे में पुलिस कमिश्नर के कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह से लिखित शिकायत की।

पुलिस अधिकारियों का बयान-पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि अगर जांच में आरोप सही पाए गए तो आरोपी कोई भी हो कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई और न्याय की उम्मीद-इस पूरे मामले में पुलिस के ऊपर सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या वे सही तरीके से मामले की जांच कर रहे हैं या मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। दुष्कर्म पीड़िता के लिए यह मामला एक और परीक्षा बन गया है, क्योंकि उसकी उम्मीदें और न्याय की प्रतीक्षा अब और बढ़ गई है।

डीएवीवी में इंजीनियरिंग, फार्मेसी और साइबर सिक्योरिटी के नए कोर्स जल्द

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत करने जा रहा है। विश्वविद्यालय सात विभागों के जरिए 10 इंटीग्रेटेड स्नातक और स्नातकोत्तर कोर्स शुरू करेगा। इन पाठ्यक्रमों को बोर्ड ऑफ स्टडी से मंजूरी मिल चुकी है और अब प्रस्ताव कार्यपरिषद में रखा जाएगा। अंतिम स्वीकृति के बाद इन्हें प्रवेश प्रक्रिया में शामिल कर लिया जाएगा। नए कोर्स शुरू होने से कुल 515 सीटें बढ़ेंगी।

विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रमों को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप तैयार किया है। स्कूल ऑफ फार्मेसी में एम. फार्मा और एमबीए (फार्मेसी) कोर्स शुरू होंगे। एम. फार्मा को भारतीय फार्मेसी परिषद से मंजूरी मिल चुकी है और इसमें 15 सीटें रहेंगी, जबकि एमबीए फार्मेसी को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से स्वीकृति मिली है, जिसमें 60 सीटों पर प्रवेश

होगा। साथ ही बी. फार्मा की सीटें 60 से बढ़ाकर 100 कर दी गई हैं।

एंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स टेलीकम्युनिकेशन, इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन और एमबीए टेक्निकल मैनेजमेंट जैसे तीन नए कोर्स शुरू किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक में 60-60 सीटें होंगी। वहीं स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस में बीटेक साइबर सिक्योरिटी (60 सीट) भी शुरू किया जाएगा।

पहली बार शुरू होंगे कोर्स

गणित, भौतिकी और सांख्यिकी विभागों में पहली बार एमएससी इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू होंगे, जिनमें प्रत्येक में 40-40 सीटें तय की गई हैं। इन विभागों में अब तक स्नातक स्तर के कोर्स नहीं थे, इसलिए 12वीं के बाद सीधे प्रवेश के लिए यह पहल की गई है। स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में भी नए विकल्प जोड़े गए हैं। यहां एक वर्षीय एमएससी बायोटेक्नोलॉजी (15 सीट) और एमएससी बायोइन्फॉर्मेटिक्स (40 सीट) शुरू किए जाएंगे। हालांकि दो वर्षीय एमएससी पाठ्यक्रम पहले की तरह ही संचालित होते रहेंगे। कुलगुरु डॉ. राकेश सिंघई के अनुसार, कार्यपरिषद की मंजूरी के बाद प्रवेश प्रक्रिया तय की जाएगी। कुछ कोर्स सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से और कुछ नॉन सीयूईटी प्रक्रिया के तहत भरे जाएंगे।

नगर निगम ने देपालपुर को बनाया 'शून्य लेगेसी वेस्ट' वाला पहला नगर

खत्म किया 1250 मीट्रिक टन पुराना कचरा, जहां कचरा होता था डम्प वहां किया पौधारोपण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम और देपालपुर नगर परिषद के संयुक्त प्रयासों से स्वच्छ शहर की जोड़ी पहल अभियान के अंतर्गत देपालपुर ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए डम्पिंग साइट को खत्म किया है। देपालपुर में एक ऐसा स्थान था जहां पूरे नगर का कचरा डम्प हुआ करता था, जिसको इंदौर नगर निगम के प्रयासों से खत्म किया गया है। साथ ही जहां पहले कचरा हुआ करता था, वहां पौधारोपण किया है। निगम आयुक्त ने बताया कि जिस तरह ट्रेंचिंग ग्राउंड से कचरा के पहाड़ को खत्म किया था, उसी वैज्ञानिक तकनीक से रेमिडिएशन कर डंप साइट को पूरी तरह साफ किया गया। 1250 मीट्रिक टन कचरे का हुआ निपटान देपालपुर नप को 5 वर्ष पूर्व मिली डंप साइट पर करीब 1250 मीट्रिक टन लेगेसी वेस्ट जमा था। मिशन जीरो लेगीस के तहत इंदौर नगर निगम और देपालपुर नप ने इस कचरे का वैज्ञानिक तरीके से उपचार किया।

लगाए करीब 200 पौधे-रेमिडिएशन पूर्ण होने के बाद 24 मार्च को जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति में डंप साइट पर लगभग 200 पौधों का रोपण किया गया। यह कार्य महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में पूरा हुआ। देपालपुर नप अध्यक्ष अनिता महेशपुरी गोस्वामी और सीएमओ बहादुरसिंह रघुवंशी के प्रयासों ने इस लक्ष्य को संभव बनाया।

इस तरह हटाया कचरा-500 से अधिक रैगपिकर्स की सहभागिता, कचरे का पृथक्करण कर 4.5 टन रीसाइक्लेबल सामग्री (धातु, प्लास्टिक, कांच) अलग की गई। 50 से 60 टन सामग्री को प्रोसेसिंग के लिए इंदौर के प्लांट भेजा गया, शेष कचरे का वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित किया गया।

ईवी हादसा : पुलिस का दावा घर से मिले बॉडी-पार्ट्स, बेटे ने किया इनकार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ईवी अग्निकांड के सातवें दिन (मंगलवार) घर से बॉडी पार्ट्स मिले हैं। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है, जबकि परिजन इनकार कर रहे हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि अवशेष किसके हैं। पुलिस को अनुमान है कि ये मासूम तनय के हो सकते हैं। वहीं घर में अवैध रूप से रखे 12 से ज्यादा गैस सिलेंडर मिलने के बाद खाद्य विभाग भी जांच की तैयारी में है, क्योंकि नियम के अनुसार 100 किलो से अधिक गैस का भंडारण नहीं किया जा सकता।

एडिशनल डीसीपी (जोन-2) अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, मकान हैंडओवर प्रक्रिया के दौरान पुलिस की मौजूदगी में परिजनों को कुछ शव अवशेष मिले थे, जिन्हें तिलक नगर मुक्तिधाम में दफना दिया गया है। तिलक नगर थाना प्रभारी मनीष लोधा का भी कहना है कि परिजन घर से सामान निकाल रहे थे, तभी तेज बदबू आने पर जांच की गई, जहां शव के कुछ अवशेष मिले। वहीं मृतक मनोज पुगलिया के बड़े बेटे सौरभ ने बॉडी पार्ट्स मिलने की बात से साफ इनकार किया है। उन्होंने कहा कि घर से किसी भी प्रकार के अवशेष नहीं मिले हैं।

18 मार्च को बृजेश्वरी एनेक्स कॉलोनी के अर्हम विला में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 4 लोग घायल हैं। मृतकों में 6 रिश्तेदार शामिल थे, जो बिहार के किशनगंज से आए

घर में अवैध रूप से रखे थे 12 सिलेंडर, फूड विभाग करेगा जांच

थे। घटना वाले दिन 6 साल के तनय का केवल पैर ही मिला था, इसी आधार पर पुलिस को आशंका है कि बाद में मिले अवशेष उसके हो सकते हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि जिसे पहले तनय का शव माना जा रहा था, वह दरअसल सोफे का फोम निकला। यह चौंकाने वाली जानकारी डॉक्टरों ने जांच के दौरान पुलिस को सौंपी थी। मामले में मनोज का बड़ा बेटा सौरभ शुरुआत से ही अलग-अलग बयान दे रहा है। उसने पहले दावा किया था कि ईवी चार्जिंग पर नहीं थी, इसलिए आग उससे नहीं लगी, जबकि बिजली कंपनी की रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि कार चार्जिंग में थी और ऑटो-कट के बाद दोबारा करंट आने से शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग भड़की। एमवाय अस्पताल के डॉक्टरों ने शनिवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पुलिस को सौंप दी। इसके अनुसार, हादसे में किसी को करंट नहीं लगा। सभी की मौत धुआं भरने और झुलसने के कारण हुई।

जानकारी के मुताबिक, मनोज पुगलिया ने पहले बेटे सौरभ, सौमिल, हर्षित और पत्नी सुनीता को बाहर निकाला। इसके बाद वे अन्य लोगों को बचाने के लिए अंदर गए, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण बाहर नहीं निकल सके। लपटों में घिर गए। उनकी बहू सिमरन भी जली हुई अवस्था में मिली। दोनों के शव छत पर बने चैनल गेट के पास मिले। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, मृतक मनोज के साले विजय सेठिया और रुचिका की मौत जलने से नहीं, बल्कि दम घुटने से हुई। दोनों के शरीर में कार्बन मोनोऑक्साइड के अवशेष मिले हैं। बताया जा रहा है कि सोते समय धुआं गले में भरने से उनकी जान चली गई। सूत्रों के अनुसार, दम घुटने के बाद ही आग उनके शरीर तक पहुंची, इसके बावजूद शव ज्यादा झुलसे नहीं थे। पोस्टमॉर्टम करने वाली टीम ने सभी चार महिलाओं के शवों की विस्तृत जांच की।

8 घरेलू और 4 कमर्शियल सिलेंडर बरामद

घटना के बाद घर के अंदर से 8 घरेलू और 4 कमर्शियल गैस सिलेंडर मिले। पुलिस के मुताबिक, इनमें से 2 सिलेंडर ब्लास्ट हो चुके थे, जिनके अवशेष जांच टीम को मिले। घर में इतनी बड़ी संख्या में सिलेंडर क्यों रखे गए थे, इस पर परिजन अब तक स्पष्ट जवाब नहीं दे पाए हैं। 12 से ज्यादा सिलेंडर मिलने के चलते खाद्य आपूर्ति विभाग भी मामले की विभागीय जांच करेगा। खाद्य अधिकारी मोहनलाल मारू ने बताया कि फिलहाल पुलिस रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।